● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 37, अंक 57, पृष्ठ : 08, सीधी, सोमवार , 31 मार्च 2025 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

कांग्रेस का बिहार पर फोकस! 5

हार्दिक पांड्या को एक गलती से 12 लाख की लगी चपत 6

आरएसएस अमर संस्कृति का वट वृक्ष : मोदी

स्वयंसेवक का जीवन निस्वार्थ, हम देव से देश, राम से राष्ट्र का मंत्र लेकर चल रहे

नागपुर। प्रधानमंत्री मोदी रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मुख्यालय केशव कुंज पहुंचे। वे सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक यहां रहे। उन्होंने संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार और दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) के स्मारक स्मृति मंदिर पहुंचकर श्रद्धांजलि दी।

बतौर प्रधानमंत्री मोदी की यह संघ मुख्यालय का पहला दौरा था। इससे पहले जुलाई 2013 में वह लोकसभा चुनाव के सिलसिले में हुई बैठक में शामिल होने नागपुर आए थे। प्रधानमंत्री ने संघ के माधव नेत्रालय के एक्सटेंशन बिल्डिंग की आधारशिला रखी।

प्रधानमंत्री मोदी ने 34 मिनट की स्पीच में देश के इतिहास, भक्ति आंदोलन, इसमें संतों की भूमिका, संघ की निस्वार्थ कार्य प्रणाली,

देश के विकास, युवाओं में धर्म-संस्कृति, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, शिक्षा, भाषा और प्रयागराज महाकुंभ की चर्चा की।

उन्होंने संघ की तारीफ करते हुए कहा- राष्ट्रीय चेतना के लिए जो विचार 100 साल पहले संघ के रूप में बोया गया, वो आज महान वट वृक्ष के रूप में दुनिया के सामने हैं। ये आज भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना को लागतार ऊर्जावान बना रहा है। स्वयंसेवक के लिए सेवा ही जीवन है। हम देव से देश, राम से राष्ट्र का मंत्र लेकर चल रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत के इतिहास में नजर डालें तो इसमें कई आक्रमण हुए। इतने आक्रमणों के बावजूद भी भारत की चेतना कभी समाप्त नहीं हुई, उसकी लौ जलती रही। कठिन से कठिन दौर में भी इस चेतना को जाग्रत रखने के लिए नए सामाजिक आंदोलन होते रहे। भक्ति आंदोलन इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

मध्यकाल के उस कठिन कालखंड में हमारे संतों ने भक्ति के विचारों से राष्ट्रीय चेतना को नई ऊर्जा दी। गुरु नानक देव, कबीरदास, तुलसीदास, सूरदास, संत तुकाराम, संत रामदेव, संत ज्ञानेश्वर जैसे महान संतों ने अपने मौलिक विचारों से समाज में प्राण फूंके। उन्होंने भेदभाव के बंधनों को तोड़कर समाज को एकता के सूत्र में बांधा।

स्वामी विवेकानंद से लेकर डॉक्टर साहब तक, किसी ने भी राष्ट्रीय चेतना को बुझने नहीं दिया। राष्ट्रीय चेतना के जिस विचार का बीज 100 वर्ष पहले बोया गया था, वह आज एक महान वटवृक्ष के रूप में खड़ा है। सिद्धांत और आदर्श इस वटवृक्ष को ऊंचाई देते हैं, जबकि लाखों-करोड़ों स्वयंसेवक इसकी टहनियों के रूप में कार्य कर रहे हैं। संघ भारत की अमर संस्कृति का आधुनिक अक्षय वट है, जो निरंतर भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना को ऊर्जा प्रदान कर रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि हमारा शरीर परोपकार और सेवा के लिए ही है। जब सेवा संस्कार बन जाती है, तो साधना बन जाती है। यही साधना हर स्वयंसेवक की प्राणवायु होती है। यह सेवा संस्कार, यह साधना, यह प्राणवायु, पीढ़ी दर पीढ़ी हर स्वयंसेवक को तप और तपस्या के लिए प्रेरित करती है। उसे न थकने देती है और न ही रुकने देती है।

चिकित्सा सेवा मानवता की सर्वोत्तम सेवा : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने बड़नगर में चिकित्सालय का किया शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि समाज में चिकित्सकों का योगदान सर्वोच्च माना जाता है, चिकित्सा सेवा मानवता की सर्वोत्तम सेवा है। सभी चिकित्सक हमेशा अपने हृदय में दया करुणा और मानवता के भाव को सर्वोच्च स्थान दें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए सरकार निजी अस्पतालों/बड़े मेडिकल ग्रुप्स को अनुदान देगी। वेलनेस सेंटर, नेचुरोपैथी सेंटर की स्थापना सहित आयुर्वेद (आयुष) को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे निजी प्रयासों को भी राज्य सरकार अनुदान देगी। गौशालाओं की स्थापना को भी सरकार समुचित प्रोत्साहन दे रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को उज्जैन जिले के बड़नगर में काबरा हास्पिटल एवं रिसर्च सेंटर का

शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। संत श्री पंडित कमल किशोर नागर महाराज, सांसद श्री अनिल फिरोजिया, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री शिव प्रकाश, जिले के प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल, विधायक बड़नगर श्री जितेंद्र सिंह पंड्या, विधायक नागदा डॉ. तेज बहादुर सिंह सहित जन-प्रतिनिधि, हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. वासुदेव काबरा आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि राज्य शासन की पहल पर बड़नगर में साढ़े तीन हजार करोड़ रुपए की लागत से सीमेंट कारखाना स्थापित हो रहा है, जिससे बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलेगा और क्षेत्र का औद्योगिक विकास होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने काबरा परिवार द्वारा बीते कई दशकों से मानव मात्र की उपचार सेवाओं के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि डॉ. वासुदेव काबरा के नेतृत्व में इस परिवार की तीसरी पीढ़ी भी बड़नगर क्षेत्र के पीड़ितों/मरीजों के इलाज में पूरे समर्पण से सेवा दे रहे हैं, यह तारीफ की बात है। बड़नगर जैसी छोटी जगह में एक बड़ा हॉस्पिटल स्थापित करना निस्संदेह प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि संतों के मार्गदर्शन और उनके सुझाए मार्ग से हम प्रदेश की जनता की सेवा में आगे बढ़ रहे हैं।

नेपाल के रास्ते भारत में घुसपैठ की फिराक में बांग्लादेशी

नई दिल्ली। राजनीतिक उथल-पुथल। अस्थिरता की आशंका। राजावादी बनाम सत्ताधारी दल की कशमकश...। नेपाल इस समय दोराहे पर है। यह बदलाव भारत-नेपाल सीमा पर भी दिखता है, लेकिन बदले रूप में। यहां की कहानी अलग है। राजनीतिक सरगर्मी के बीच बांग्लादेशी टूरिस्ट वीजा पर नेपाल पहुंचकर भारत में घुसपैठ की कोशिश में हैं। मधेश से लेकर उत्तराखंड तक इनकी गतिविधियों को संदिग्ध मानते हुए सीमा पर अलर्ट भी किया गया है। एसएसबी ने चौकसी बढ़ाई है। नवलपरासी जिले के सुरेंद्र महतो कहते हैं कि

देश आंतरिक मसले में उलझा है। इसका फायदा बांग्लादेशी उठा रहे हैं। हाल के दिनों में सीमावर्ती क्षेत्र में होने वाली गतिविधियां ठीक नहीं लग रही हैं।

उत्तर प्रदेश के महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, बहराइच, श्रावस्ती, पीलीभीत व लखीमपुर खीरी से सटे नेपाली क्षेत्र में भी संदिग्ध गतिविधियां बढ़ी हैं। हम उत्तर प्रदेश से लगते नेपाल के बांके, नेपालगंज, रूपन्देही, बेलहिया, रौतहट, गौर व लुबिनी पहुंचे। कद-काठी और बोली भी स्थानीय लोगों से मिलने के कारण खुली सीमा का लाभ उठाकर बांग्लादेशियों के भारतीय क्षेत्र में मजदूरी के बहाने आने-जाने का पता चला।

रूपन्देही के संतोष तमांग कहते हैं कि अभी तक हम सुरक्षा को लेकर आश्वस्त थे, लेकिन सीमावर्ती क्षेत्र में रोहिंग्या के साथ बांग्लादेशी भी सक्रिय हैं। ये सभी नेपाल में अस्थिरता का लाभ उठाने की कोशिश में हैं। इन्हें रोकना होगा। नेपाल के साथ भारत को भी पहल करनी होगी।

राष्ट्रपति पुतिन के काफिले की लिमोजिन कार में धमाका

मॉस्को। रूस से बड़ी खबर सामने आ रही है। मीडिया रिपोर्ट में मुताबिक मॉस्को में एफएसबी मुख्यालय के पास राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के काफिले की लिमोजिन कार में धमाका हुआ है। धमाके के बाद कार पूरी तरह से जलकर खाक हो गई। कार में धमाके का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कार में आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि मॉस्को के एफएसबी खुफिया विभाग के मुख्यालय के उत्तर में अचानक व्लादिमीर पुतिन के काफिले में शामिल लिमोजिन कार में विस्फोट हो गया।

तीसरे दिन भी कांप रही म्यांमार की धरती

अब 5.1 तीव्रता का भूकंप आया, अब तक 1700 की मौत

नई दिल्ली। म्यांमार शुक्रवार को आए शक्तिशाली भूकंप के बाद लगातार धरती कांप रही है। यूएसजीएस के मुताबिक, रविवार को म्यांमार के दूसरे सबसे बड़े शहर के पास 5.1 तीव्रता का भूकंप आया। हालांकि, नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने इसकी तीव्रता 4.6 बताई। यह शुक्रवार के विनाशकारी भूकंप के बाद आए झटकों में सबसे नया था। भूकंप के झटके महसूस होने पर मांडले की सड़कों पर लोग चीखने लगे। इससे पहले शुक्रवार को शहर के पास 7.7 तीव्रता का भूकंप आया

था, जिससे कई इमारतें गिर गईं और अन्य बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा। अब तक 1,700 लोगों के मारे जाने और 3,400 से अधिक लोगों के लापता होने की खबर है। आशंका जताई जा रही है कि यह संख्या बढ़ सकती है। रविवार दोपहर आए झटके से पहले 7.7 तीव्रता के भूकंप के बाद म्यांमार में शनिवार शाम तक कम से कम पांच झटके महसूस किए गए थे। इसमें सबसे तेज झटका 6.4 तीव्रता का था। लगातार आ रहे झटकों से लोगों में दहशत है। म्यांमार सागाइंग फॉल्ट पर स्थित है, जो इंडिया प्लेट और सुंडा प्लेट को अलग करता है, जिस वजह से यहां भूकंप का खतरा बना रहता है। इससे पहले शुक्रवार को आए भूकंप के चलते कई इमारतें ढहने से व्यापक क्षति हुई है।

पीएम मोदी ने प्रदेश की बहनों को किया प्रेरित : मुख्यमंत्री

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रविवार को मन की बात रेडियो कार्यक्रम में प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में महुआ के फूल से कुकीज बनाए जाने का उल्लेख करने का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अभिवादन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में बहनें अपने स्तर पर पहल कर आत्मनिर्भरता की नई मिसालें प्रस्तुत कर रही हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा नवरात्रि के शुभ अवसर पर नारी शक्ति द्वारा किए जा रहे हैं नवाचारों का उल्लेख करने से उन्हें प्रेरणा मिलेगी और बहनें अपने कौशल और परिश्रम से नऐ आयाम स्थापित करने की ओर अग्रसर होंगी।

पीएम ओली और विपक्ष ने बुलाई अहम बैठक

राजशाही समर्थकों पर हो सकती है बड़ी कार्यवाही

काठमांडू। नेपाल में हाल ही में राजशाही समर्थकों ने राजधानी काठमांडू में जमकर उत्पात मचाया था। जिसके बाद नेपाल सरकार ने कई कड़े फैसले लिए हैं। इसी बीच नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा करने के लिए आज शाम 6 बजे (स्थानीय समयानुसार) संसद में मौजूद दलों के साथ बैठक बुलाई है। प्रधानमंत्री सचिवालय के अधिकारियों के अनुसार, इस बैठक में दक्षिणपंथी राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) को आमंत्रित नहीं किया गया है। नेपाली कांग्रेस के मुख्य सचेतक श्याम कुमार का कहना है कि यह बैठक हाल की राजनीतिक घटनाओं और संसद तथा सरकार के संचालन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए बुलाई गई है। यह बैठक प्रधानमंत्री ओली और सीपीएन (माओवादी केंद्र) के अध्यक्ष तथा मुख्य विपक्षी नेता पुष्प कमल दहल के बीच हुई टेलीफोन वार्ता के बाद आयोजित की जा रही है। बैठक में शुक्रवार को हुई राजशाही समर्थक रैली के मुद्दे पर भी चर्चा होने की संभावना है।

समाज ने संघ के स्वयंसेवकों को देखने-परखने के बाद स्वीकार किया : भागवत

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में एक सभा को संबोधित करते समय संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की लंबी यात्रा के दौरान समाज ने संघ के स्वयंसेवकों को देखा, परखा उसके बाद स्वीकार किया है। इसी का नतीजा है कि तमाम बाधाओं को दूर करते हुए अब स्थिति अनुकूल है और स्वयंसेवक लगातार आगे बढ़ रहे हैं। भागवत ने कहा कि संघ के दर्शन में कहा जाता है कि आत्म-विकास पर एक घंटा, जबकि समाज के विकास पर 23 घंटे खर्च करना चाहिए। यही संघ का

नजरिया है और आरएसएस के तमाम प्रयास इसी सिद्धांत से प्रेरित हैं। संघ प्रमुख भागवत ने जब यह बात कही, उस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे। पीएम की मौजूदगी में भागवत ने कहा कि स्वयंसेवक अपने लिए कुछ नहीं मानते, वे सिर्फ सेवा करते रहते हैं। बता दें कि इसी साल सितंबर में संघ की स्थापना के 100 साल पूरे होने वाले हैं। संघ की लंबी यात्रा को रेखांकित करते हुए भागवत ने कहा कि देश ने संघ के स्वयंसेवकों का काम देखा है, इसके बाद उन्हें स्वीकार किया गया है।

भागवत से पहले पीएम मोदी ने भी भारत में संघ की भूमिका को रेखांकित किया। नागपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने माधव नेत्रालय प्रीमियम सेंटर की आधारशिला रखने के बाद कहा कि आज भारत की सबसे बड़ी पूंजी हमारा युवा है। आज भारत का युवा विश्वास से भरा हुआ है। राष्ट्र निर्माण की भावना से ओत-प्रोत हमारे युवा आगे बढ़े चले जा रहे हैं। यही युवा 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य की ध्वजा थामे हुए हैं। गौरतलब है कि राजनीतिक जीवन की शुरुआत से पहले प्रधानमंत्री अपनी युवावस्था में खुद भी संघ के स्वयंसेवक रह चुके हैं। आज उन्होंने इस कार्यक्रम में संघ की अहमियत का भी जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि जब प्रयासों के दौरान मैं नहीं हम का ध्यान होता है, जब राष्ट्र प्रथम की भावना सर्वोपरि होती है, जब नीतियों में, निर्णयों में देश के लोगों का हित ही सबसे बड़ा होता है, तो सर्वत्र उसका प्रभाव भी नजर आता है।

ओडिशा के कटक में बेंगलुरु-कामाख्या एक्सप्रेस डिरेल

11 एसी कोच पटरी से उतरे, 1 की मौत, 8 घायल

भुवनेश्वर। ओडिशा के कटक में रविवार को बेंगलुरु-कामाख्या सुपरफास्ट एक्सप्रेस (12551) के 11 एसी कोच पटरी से उतर गए। हादसे में एक यात्री की मौत हो गई जबकि 8 अन्य घायल हैं। मेडिकल और इमरजेंसी टीम मौके पर मौजूद है।

कटक के डीएम दत्तात्रेय शिंदे ने मौत की पुष्टि की है। घायलों को श्रीराम चंद्र भंज मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। इनकी हालत स्थिर है। भीषण गर्मी के कारण दुर्घटना के बाद कुछ यात्री बीमार भी पड़ गए। घटनास्थल पर ही हेल्थ कैंप में उनका इलाज किया गया। हादसा सुबह 11:54 बजे मंगुली पैसेंजर हॉल्ट से लगे निरगुंडी स्टेशन के पास हुआ था। अधिकारियों ने बताया कि हादसे की वजह से तीन ट्रेन डायवर्ट की गई हैं। फंसे हुए यात्रियों को कामाख्या पहुंचाने के लिए विशेष ट्रेन शाम 5:05 बजे घटनास्थल से रवाना हो चुकी है।

ओडिशा फायर सर्विस के एक अधिकारी ने बताया कि रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा हो गया है।

राज्यपाल ने प्रदेशवासियों को दी ईद-उल-फ़ितर की शुभकामनाएं

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने प्रदेशवासियों को ईद-उल-फ़ितर की शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा है कि ईद का पर्व अमन, एकता और खुशियों का त्योहार है। परस्पर भाई चारे और खुशियों को बांटने का उत्सव है। राज्यपाल श्री पटेल ने अपने संदेश में कहा है कि रमजान का मुबारक महीना अमन-शांति का संदेश देता है। ईद का पर्व आपसी भेदभाव को समाप्त कर सभी इंसानों को जोड़ता है। यह सभी के प्रति दया, करुणा, आत्मीयता, मानवता और इंसानियत का संदेश भी देता है। राज्यपाल ने प्रदेशवासियों से ईद के पर्व को साम्प्रदायिक सौहार्द्र की मजबूत गरिमामय परंपरा के साथ मनाने की अपील की है।

म्यांमार उतरे भारतीय वायुसेना के पांच विमान

राहत सामग्री और एनडीआरएफ कर्मी लेकर पहुंचे

नई दिल्ली। भारत ने ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत म्यांमार में आपदा राहत और बचाव अभियान के विशेष मदद भेजी। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के पांच विमान यंगून और नेपीडॉ में उतरे। ये विमान आपदा राहत सामग्री (एचएडीआर), 60 पैरा फील्ड एंबुलेंस और एडीआरएफ कर्मियों को लेकर पहुंचे। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने यह जानकारी दी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ऑपरेशन ब्रह्मा जारी है। दो सी-17 विमान 118 सदस्य वाले भारती सेना फील्ड अस्पताल इकाई के साथ म्यांमार पहुंचे, जिसमें महिला एवं बाल देखभाल सेवाएं भी शामिल हैं। साथ ही, 60 टन राहत सामग्री भेजी गई है। भारत से कुल पांच राहत विमान म्यांमार पहुंचे। ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत सी-130 विमान नेपीडॉ में उतरा, जिसमें एनडीआरएफ के 38 कर्मी और 10 टन राहत सामग्री शामिल है।

म्यांमार में विनाशकारी भूकंप के बाद मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 1644 तक पहुंच गया है। वहीं, 2000 से अधिक घायल बताए जा रहे हैं।

इसके साथ ही म्यांमार में राहत और बचाव अभियान बड़े पैमाने पर जारी है। 28 मार्च को लगातार छह भूकंप के झटकों से म्यांमार थर्रा गया था। बीते दो दिनों में म्यांमार में कुल 16 बार भूकंप के झटके महसूस किए गए।

शैलपुत्री की आराधना के साथ शुरू हुई नवरात्रि पूजा

नई दिल्ली। आज माता शैलपुत्री की पूजा के साथ दिल्ली के मंदिरों में नवरात्रि का पर्व शुरू हो गया। सुबह से ही मंदिरों में भक्तों की लंबी कतारें देखी गईं। लोग अपने पूरे परिवार के साथ मंदिर पहुंचे और देवी के प्रथम स्वरूप की पूजा की। मंदिरों को खूब सजाया गया है। कई मंदिरों को सजाने में विदेशों से मंगवाए गए विशेष फूलों का उपयोग किया गया है।

मंदिर में पूजा पाठ और दर्शन की पूरी सुविधा सोशल मीडिया चैनलों पर भी उपलब्ध कराई जा रही है। मंदिरों में सुरक्षा की पूरी व्यवस्था की गई है और सभी मार्गों को सीसीटीवी कैमरों की नजर में

रखा गया है। झंडेवालान मंदिर के न्यासी रविन्दर गोयल ने बताया है कि आज सुबह चार बजे से ही मंदिर का कपाट खोल दिया गया था और उसी समय से भक्तों का आना जारी है। मंदिर खुलने के साथ ही मंदिर परिसर माँ के जयकारों से गूंज उठा। हजारों उपस्थित भक्तों ने पूरे जोश के साथ माँ झंडेवाली का जयघोष किया।

उन्होंने कहा कि मंदिर प्रबंधन ने आने वाले भक्तों की सुविधा को ध्यान मे रखते हुए व्यापक प्रबंध किये हैं। भक्तों को मंदिर में प्रवेश करने में अधिक असुविधा न हो, इसे ध्यान में रखते हुए विभिन्न मार्गों से प्रवेश द्वार बनाये गए हैं। भक्तों को लाइनों मे कोई असुविधा न हो उसके लिए लाइनों मे पट्टियाँ बिछायी गई हैं और बहुत ही सुंदर व मधुर संगीत की व्यवस्था की गई है।

वाहन पार्किंग की भी व्यवस्था की गई है जिससे लोगों को परेशानी न हो। मुख्य रूप से रानी झाँसी मार्ग, पुराना नाज सिनेमा और फ्लैटिड फैक्ट्री कोम्पलेक्स में भक्तों के वाहन खड़े करने की निःशुल्क व्यवस्था की गई है। छह स्थानों पर भक्तों के लिये जूता स्टैंड बनाये गये हैं। मंदिर की सुरक्षा को लेकर दिल्ली पुलिस के सहयोग से व्यापक रूप से व्यवस्था की गयी है। पूरे परिसर व आसपास पास 260 सीसीटीवी लगाए गए हैं। मंदिर परिसर व आसपास के क्षेत्र की सज्जा भी आकर्षण का केंद्र है।

हालांकि, सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बाहर से प्रसाद, फूलमाला और किसी अन्य वस्तु को लाने और देवी को चढ़ाने की मनाही की गई है। आने वाले हर भक्त को निकासी द्वार पर माँ के भण्डारे का पैकेट बंद प्रसाद दिया जा रहा है। विभिन्न कीर्तन मंडलियों द्वारा मुख्य प्रांगण में माँ का गुणगान किया जा रहा है।

देवरा मे आदिवासी छात्रावास के सामने धधक रहा अवैध ईट का भट्ठा, जिम्मेदार कर रहे अवैध वसूली

कोतवाली थाना क्षेत्र में अवैध भट्ठों की भरमार, खप रहा अवैध कोयला, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, राजस्व, खनिज और पुलिस विभाग मौन

सिंगरौली। ऊर्जाधानी में पर्यावरण संरक्षण के लिए भले ही लाल ईंटों पर प्रतिबंध लगाया गया है लेकिन कोतवाली से महज 3 किलोमीटर दूर सरकारी जमीन पर भट्ठा का लाखों का कारोबार खुले आम चल रहा है। यह अवैध कारोबार एनजीटी के आदेश को भी चुनौती दे रहे हैं। ईट बनाने के लिए न केवल सरकारी जमीन खोदी गई है, बल्कि शहर के बीच से निकली काचन नदी को खोदकर उसका भी स्वरूप बिगाड़ दिया गया है। कई बार शिकायत होने के बाद भी प्रशासन सख्त कार्रवाई नहीं कर रहा है। ऐसे में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, राजस्व, खनिज और पुलिस विभाग पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

गौरतलब है कि नगर निगम क्षेत्र वार्ड क्रमांक 29 देवरा पुलिस अधीक्षक कार्यालय और कलेक्ट्रेट से महज 3 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां सैकड़ो एकड़ सरकारी जमीन है। जहां सत्ता से जुड़े लोग अवैध रूप से कब्जा कर काचन नदी से लगी इस जमीन पर सालों से ईंट बनाने का कारोबार कर रहे हैं। डर और भय के कारण वार्ड के लोग इनके विरोध में खड़े नहीं हो पाते। यहां तक कोई भी खुलकर शिकायत करने से डरता है। इसका फायदा उठाकर माफिया कई सालों से न केवल सरकारी जमीन से मिट्टी का खनन कर बेच रहे बल्कि मिट्टी की खोदाई कर लाखों की संख्या में ईंटें बनाई गई हैं। इसके बावजूद अब तक इन अवैध कारोबारियों पर किसी तरह की कार्रवाई नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि देवरा बीट में तैनात पुलिसकर्मी ईट्टा भट्टा कारोबारी से अवैध वसूली करते हैं। वही प्रदूषण नियंत्रण अमला दफ्तर में बैठकर प्रदूषण कम करने के दावा कर रहा है। जबकि ईटा भट्ठे जमीनी हकीकत बयां कर रहे हैं। जब यह हाल शहर में है तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि गांव की क्या स्थिति होगी।

एनसीएल की खदानों से साइकिल और मोटरसाइकिल से खुलेआम कोयला बोरों में भरकर ईटा भट्ठा में पहुंचाया जा रहा है। तीन सौ रुपये से लेकर चार सौ रुपये प्रति बोरे की दर से कोयला खरीदा जा रहा है। अवैध कोयला ले जाते कोतवाली पुलिस भी देखती है लेकिन सुविधा शुल्क लेकर कोयला चोरों के खिलाफ पुलिस कोई कार्यवाही नहीं करती।

फ्लाईऐश के अधिक से अधिक उपयोग की नीति लागू है। फ्लाईऐश की ईंट के प्रयोग को बढ़ावा दिया जा रहा। जिससे ऐश की मांग बढ़ेगी और फ्लाईऐश से होने वाले प्रदूषण से मुक्ति मिले। लेकिन शहरी क्षेत्र का हाल यह है कि यहां ईटा भट्ठा धधक रहे हैं। भट्ठों में ईंट को पकाने के लिए हरे भरे पेड़ की कटाई आम बात है। इसके साथ ही कोयले का उपयोग करते हैं। इससे जहरीली गैस और डस्ट निकलते है। इसके कारण लोगों को स्वांस संबंधी समस्या आती है। इन्ही कारण से कभी-कभी तो लोगों का अपने घर से निकलना मुश्किल हो जाता है। छतों में खाने का सामान और कपड़े सूखा नहीं सकते हैं।

हिन्दू नववर्ष के उपलक्ष्य में शिवसेना ने धूमधाम से निकाली झंडा यात्रा, लोगों की उमड़ी भीड़

सिंगरौली। हिंदू नववर्ष एवं चैत्र नवरात्र के उपलक्षय में बीते दिवस रविवार को शिवसेना जिला इकाई सिंगरौली द्वारा उपराज्य प्रमुख सुरेंद्रनाथ दुबे एवं जिला प्रमुख रामदयाल पांडे के नेतृत्व में झंडा यात्रा निकाली गई जिसमें सैकड़ो की संख्या से ऊपर लोग शामिल हुए यह झंडा यात्रा शिवसेना कार्यालय तेलगवा से प्रारंभ होकर तेलगवा तिराहा से होते हुए नहर के किनारे किनारे गांव के बीचो-बीच गुजरते हुए गांव के हि डीह बाबा के प्रांगण में जाकर समाप्त हुई इस झंडा यात्रा में भगवा झंडा लिए सैकड़ो की संख्या में शिव सैनिक एवं आमजन शामिल हुए डीजे की थाप पर झंडा यात्रा में शामिल शिव सैनिकों ने जय भवानी जय श्री राम के नारे लगाएं जिससे पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा तदोपरांत सभी के बीच प्रसाद वितरित किया गया इस अवसर पर उपराज् प्रमुख एसएन दुबे एवं जिलाप्रमुख रामदयाल पांडे ने सभी को हिंदू नव वर्ष और नवरात्रि की शुभकामनाएं दी जिला प्रमुख रामदयाल पांडे ने कहा की शुभ संयोग है कि चैत्र नवरात्र दुर्गा पूजा का शुभारंभ इस बार 30 मार्च रविवार से हो रहा है इस दिन से हिंदू नव वर्ष विक्रम संवत का आरंभ भी हो रहा उन्होंने सिंगरौली जिले सहित पूरे देश में अमन बहाली खुशहाली व आपसी भाईचारा कायम रहने की कामना की। झंडा यात्रा दौरान राष्ट्रभक्ति एवं भक्ति गीतों पर सभी खूब झूमे इस अवसर पर युवा सेना जिला संगठन प्रमुख श्याम तिवारी एवं युवा सेना जिला अध्यक्ष संदीप रवानी ने कहा कि यह दिन हिंदुत्व को गौरवान्वित करने वाला दिन है हमें सनातन धर्म और हिंदुत्व विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए जात-पात से ऊपर उठकर सभी हिंदुओं को एकजुट होना है इसी संदेश के साथ बीते दिवस हिंदू नव वर्ष पर शिवसेना द्वारा यह झंडा यात्रा निकाली गई है।

एनसीएल ब्लॉक-बी परियोजना ने ग्राम सोलंग में लगाया नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

सिंगरौली। एनसीएल की ब्लॉक-बी परियोजना द्वारा निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत ग्राम सोलंग में नि: शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में डॉ. सुरोजीत सेन शर्मा, ब्लॉक-बी परियोजना तथा डॉ.ओम शर्मा, केंद्रीय अस्पताल सिंगरौली ने विभिन्न समस्याओं के आधार पर उपस्थित लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। शिविर के दौरान 160 लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। साथ ही उपस्थित लोगों को निःशुल्क दवाइयों का भी वितरण किया गया। इस अवसर पर नोडल अधिकारी (सीएसआर), ब्लॉक-बी तथा परियोजना से अन्य अधिकारी एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। गौरतलब है कि एनसीएल की सभी परियोजना एवं इकाइयों द्वारा समय-समय पर सीएसआर के तहत ऐसे शिविरों का आयोजन किया जाता रहा है। इस से पूर्व एनसीएल की ब्लॉक-बी परियोजना द्वारा सीएसआर के तहत ग्राम मुहेर, ग्राम एंगुरा, ग्राम महदेइया, ग्राम पडरी एवं ग्राम नौढिया में ऐसे स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा चुका है। एनसीएल ब्लॉक-बी परियोजना द्वारा मार्च 2025 में सीएसआर के तहत आयोजित स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से स्थानीय क्षेत्र में चिकित्सा सुविधायें प्रदान की गयी जिसमें 1000 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया है।

जन सहभागिता से जल सोतो को सहेजने के लिए जल गंगा सर्वधन अभियान का हुआ शुभारंभ

पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ने ग्राम पंचायत खरकटा से अभियान को दिया मूर्तरूप

सिंगरौली। जन सहभागीता से जल स्त्रोतो को सहेजने के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ नव सवत्सर एवं गुड़ी पड़वा के पावन पर्व पर सिंगरौली जिले के सभी जनपद पंचायतों के ग्राम पंचायतों में जन सहभागीता के माध्यम से अभियान को मूर्त रूप दिया गया। वही पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग राज्यमंत्री श्रीमती राधा सिंह के मुख्य अतिथि में ग्राम पंचायत खरकटा से अभियान को मूर्तरूप दिया गया। वही प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा उज्जैन स्थित शिप्रा नदी तट पर वरूण पूजन और जलाभिषेक के साथ जल गंगा संवर्धन अभियान का विधिवत शुभारंभ किया गया।

उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुएं प्रदेश की राज्य मंत्री श्रीमती सिंह ने कहा कि जनभागीदारी से हम सब मिलकर जल संग्रह संरचनाओं के निर्माण पूर्व में मौजूद जल संग्रहण संरचनाओं की साफ सफाई एवं जीर्णोद्धार मरम्मत जल स्त्रोतो में प्रदूषण के स्तर को कम करने जल वितरण की संरचनाओं की साफ सफाई तथा मानसून में किए जाने वाले पौधारोपण हेतु व्यापक स्तर की हम सबको तैयार करना हैं। तथा अपने आस पास के नदी तालाबो की साफ सफाई गहरीकरण कर पानी का स्टोरेज करना होगा राज्यमंत्री ने जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी को निर्देश दिए कि बोरी बंधन एवं चयनित कर अमृत सरोवरो का निर्माण, खेत तालाबो का निर्माण पुराने तालाबो चेकडैम वा स्टाप डैम का सर्वेक्षण कर जीर्णोद्धार के साथ साथ प्रचलित और नव स्वीकृत जल संरक्षण कार्यो को अभियान के दौरान पूर्ण कराए। उन्होने कहा कि चौपाल आयोजित कर आम जन मानस को जल संग्रहण के लिए जागृत करे। यह अभियान 30 मार्च से 30 जून तक निरंतर चलता रहेगा। उन्होंने सभी जन प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणो से अपील किया कि इस अभियान में बड़चढ़कर भागीदारी करे। ताकि पानी का भण्डारण हो सके तथा पेयजल की समस्या का निदान हो सके। अभियान के दौरान ग्राम पंचायतों में हर्षोउल्लास के साथ कलश यात्रा निकालकर पानी रोको अभियान के लिए जन जागृति किया गया।

वार्ड 31 ढोटी में किए गए अवैध अतिक्रमण पर फिर चला निगम का बुलडोजर

सिंगरौली। नगर पालिक निगम सिंगरौली के वार्ड क्र. 31ढोटी में खसरा क्रमांक 38/1 और 38/2, अवैध अतिक्रमण कर निर्माण किया गया था। उक्त जमीन को अतिक्रमण मुक्त करने हेतु उच्च न्यायालय जबलपुर के द्वारा नगर निगम आयुक्त डीके शर्मा को अवैध अतिक्रमण हटाने हेतु निर्देशित किया गया था। कई बार न्यायालय द्वारा नोटिस दिए जाने के बाद भी जब अतिक्रमण नहीं हटाया गया निगम द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही म.प्र. नगरपालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 303 एवं 307 के प्रावधान अनुसार निगम द्वारा अवैध कब्जा हटाने की कार्यवाही की गई। ज्ञात हो कि यह इस ससाह में अतिक्रमण को लेकर दूसरी बड़ी कार्यवाही है। जिला प्रशासन ,नगरपालिका निगम एवं पुलिस बल द्वारा अतिक्रमण हटाया गया। इसका नेतृत्व एसडीएम सृजन वर्मा, आयुक्त ननि डीके शर्मा ,तहसीलदार सविता यादव , अर्चना द्विवेदी थाना प्रभारी विंध्यनगर द्वारा किया गया। नगर निगम अतिक्रमण दस्ते में अतिक्रमण अधिकारी डीके सिंह, एसडीओ प्रवीण गोस्वामी, उपयंत्री विशाल खत्री, जितेंद्र , विपिन तिवारी, विषाणुपाल उपस्थित रहे।

हिंडालको महान विस्थापित कॉलोनी मझिगवां के विद्यालय का शानदार परीक्षा परिणाम, 97 फीसदी छात्र हुए उत्तीर्ण

सिंगरौली। हिंडालको महान विस्थापित कॉलोनी मझिगवां में संचालित सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय के वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किए गए, जिसमें विद्यालय ने शानदार प्रदर्शन किया। कुल 460 विद्यार्थियों में से 447 छात्र सफल रहे, जिससे विद्यालय का परीक्षा परिणाम 97 फीसदी रहा। इस उपलब्धि को सम्मानित करने के लिए परीक्षा परिणाम घोषणा एवं मेधावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

हिंडालको महान अपने विस्थापित परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए नि:शुल्क शिक्षा, गणवेश, पाठ्यपुस्तकें, कोचिंग एवं छात्रवृत्ति प्रदान करता है। यह पहल न केवल बच्चों के शैक्षिक भविष्य को संवारने में मददगार है, बल्कि उनके समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की पूजा-अर्चना से हुई। विद्यालय के आचार्य गोपाल विश्वकर्मा ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर सीएसआर प्रमुख संजय सिंह और आर एंड आर प्रभारी विजय प्रकाश वैश्य उपस्थित रहे। समारोह में उदय से नवम कक्षा तक 97 फीसदी विद्यार्थियों के सफल होने की घोषणा की गई। साथ ही, प्रत्येक कक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले तीन-तीन मेधावी छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।अपने संबोधन में हिंडालको महान के सीएसआर प्रमुख संजय सिंह ने परीक्षा के महत्व और शिक्षा के जीवन में प्रभाव पर विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि परीक्षा केवल अंकों का खेल नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, आत्मविश्वास और निरंतर सीखने की प्रक्रिया का एक हिस्सा है। सफलता उन्हीं को मिलती है जो निरंतर प्रयास करते हैं और अपने सपनों को साकार करने के लिए मेहनत करते हैं। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए शिक्षा को आत्मनिर्भरता और समाज में बदलाव लाने का सबसे प्रभावी साधन बताया।कार्यक्रम के अंत में आर एंड आर प्रभारी विजय प्रकाश वैश्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस आयोजन की सफलता में विद्यालय के आचार्य बंधुओं सहित भोला वैश्य और प्रभाकर वैश्य का विशेष योगदान रहा। विद्यालय के इस उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम ने छात्रों की मेहनत और शिक्षकों के प्रयासों को दर्शाया है। यह सफलता विद्यार्थियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है और शिक्षा के प्रति उनके उत्साह को और अधिक मजबूत करती है।

जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ, जुड़वा तालाब से हुई सफाई की शुरुआत

सिंगरौली। मध्यप्रदेश में रविवार से जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरुआत की गई, जो 30 जून तक चलेगा। इस अभियान की शुरुआत सिंगरौली जिले में जुड़वा तालाब की सफाई से हुई, जिसमें बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। अभियान का उद्देश्य न केवल जल स्रोतों की सफाई करना है, बल्कि लोगों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना भी है। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों ने मिलकर स्वच्छता शपथ ली और भविष्य में जल स्रोतों की रक्षा के लिए सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सिंगरौली विधायक रामनिवास शाह, पूर्व विधायक देवसर सुभाष वर्मा, नगर निगम महापौर श्रीमती रानी अग्रवाल, नगर निगम अध्यक्ष देवेश पांडेय, विकास प्राधिकरण अध्यक्ष दिलीप शाह, वार्ड 40 पार्षद श्रीमती सीमा जायसवाल, वार्ड 12 पार्षद संतोष शाह,वार्ड 19 पार्षद आशीष बैस, वार्ड 21 पार्षद कमलेश वर्मा, वार्ड 38 पार्षद अनिल बैस की प्रमुख उपस्थिति रही। नगर पालिक निगम से उपायुक्त आरपी बैस,अभियान के नोडल अधिकारी संतोष पांडेय, एसडीओ एसएन द्विवेदी, स्वच्छता निरीक्षक संतोष तिवारी सहित अधिकारी कर्मचारी, समाजसेवी संगठन के सदस्य उपस्थित रहे।

जिले भर में सुना गया प्रधानमंत्री की मन की बात कार्यक्रम का 120वां भाग

सिंगरौली। प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम का 120वां भाग जिले भर के बूथों पर सुना गया। जिलाध्यक्ष सुंदरलाल शक्ति केन्द्र 24 नवानगर के बूथ क्रमांक 79 पर उपस्थित रहे तथा मन की बात कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण किया। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी प्रत्येक मास के अंतिम रविवार को मन की बात कार्यक्रम में देशवासियों से अपने मन की बात करते हैं तथा विभिन्न सामरिक विषयों के अतिरिक्त आम जन के सामान्य बातें करते हैं जिससे उनका एक आम आदमी से जुड़ाव परिलक्षित होता है।

मन की बात कार्यक्रम के समापन पश्चात जिलाध्यक्ष ने समस्त जिलेवासियों कों वर्ष प्रतिपदा दिवस एवं चैत्र मास प्रारंभ होने पर हिंदू नव-वर्ष विक्रम संवत 2082 की बधाई दी तथा कहा कि हिंदी नव-वर्ष के साथ-साथ ही हमारी चैत्र मास की नवरात्रि प्रारम्भ होती है जिससे लिए समस्त जिलेवासियों को नवरात्रि की शुभकामनाएं हैं। जिलाध्यक्ष ने अंत में बूथ क्रमांक 79 एवं 80के बूथ समितियों की बैठकें ली तथा सांगठनिक विषयों पर चर्चा की। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से मन की बात कार्यक्रम की प्रभारी एवं जिला मंत्री पूनम गुप्ता मंडल अध्यक्ष बैढ़न सौरभ गुप्ता, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष विनोद चौबे, महामंत्री रवि चौरसिया, शक्ति केन्द्र संयोजक राम नरेश त्रिपाठी, पार्षद सावनमती कुशवाहा, पार्षद कमलेश वर्मा, बूथ अध्यक्ष भरतलाल गुप्ता, विवेक सोनी एवं बूथों के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अटल सामुदायिक भवन बिलौजी में विक्रमोत्सव का हुआ आयोजन

सुनील रावत एवं उनके दल के द्वारा सम्राट विक्रमादित्य के जीवन पर आधारित नाटक का किया गया मंचन

सिंगरौली। मध्य प्रदेश शासन के संस्कृति विभाग के निर्देशानुसार जिले के अटल सामुदायिक भवन बिलौजी मे राज्यमंत्री पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग श्रीमती राधा सिंह के मुख्य अतिथि में एवं सिंगरौली विधानसभा के विधायक राम निवास शाह, देवसर विधानसभा के विधायक राजेन्द्र मेश्राम, कलेक्टर चन्द्र शेखर शुक्ला, प्राधिकरण अध्यक्ष दिलीप शाह, नगर निगम अध्यक्ष देवेश पाण्डेय, भाजपा जिलाध्यक्ष सुन्दर लाल शाह के गरिमामय उपस्थिति में अटल सामुदायिक भवन बिलौजी में विक्रमोत्सव का आयोजन:सूर्य उपासना और ब्रह्म ध्वज की हुई, स्थापना समारोह का आयोजन सम्पन्न हुआ। उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुयें राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह ने नव वर्ष की हार्दिक शुभकामना देते हुयें कहा कि भारत के इतिहास में सम्राट विक्रमादित्य का नाम स्वर्ण अंक्षरो में लिखा गया है। सम्राट विक्रमादित्य पराक्रमी एवं न्यायप्रिय शासक से थे। उनके नाम पर भी ही विक्रम संवत का प्रचलन हुआ जो आज भी भारतीय पंचाग का एक प्रमुख संवत है। संम्राट विक्रमादित्य के शासन की प्रसंशा केवल भारत में ही नही विदेशी ग्राथो में मिलती है। संम्राट विक्रमादित्य एक शासक ही नही अपुति भारतीय संस्कृति के प्रतीक थे। भारत वर्ष में विक्रमादित्य युग परिवर्तन और नव जागरण की एक महत्वपूर्ण धूरी रहे है और उनके द्वारा प्रवर्तित विक्रम संवत हमारी मूल्यवान धरोहर है। विधायक सिंगरौली श्री शाह ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में अपनी हार्दिक शुभकामना देते हुऐं कहा कि आज भारत का नव वर्ष विक्रम संवत का शुभारंभ हो रहा हैं। नवरात्रि के पावन पर्व पर मै अपने देश प्रदेश एवं अपने जिले के विकास एवं समृद्धि की कामना करता हू। उन्होंने कहा कि भारत का राष्ट्रीय प्रतीक सम्राट विक्रमादित्य से बड़कर कोई और नही हो सकता जिसे लोग सहस्त्राब्दियो से सब एक मत से भारत का राष्ट्र नायक मानते रहे हैं। विक्रम युग की महिमा इस तथ्य से ज्ञात होती है कि भारत में महापुरूषो के अनुआयियों में श्रद्धावंश चलाए लेकिन आज भी भारत और साथ ही नेपाल का सर्वमान्य संवत विक्रम संवत ही है।

कार्यक्रम के दौरान जिले के कलाकार बिमल म्युजिकल ग्रुप के द्वारा भी नवरात्रि के पावन पर्व पर देवी गीत की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के दौरान महराज विक्रमादित्य शोधपीठ स्वराज्य संस्थान संचालनालय सास्कृतिक विभाग द्वारा प्रकाशित भारत का नव वर्ष विक्रम संवत पुस्तिका का वितरण किया गया। कार्यक्रम के अंत में सुनील रावत एवं उनके साथी कालाकारो को उपस्थित अतिथियों द्वारा शाल एवं श्रीफल प्रदान कर अभिनंदन किया गया।

हमारी सनातन संस्कृति की खगोलीय गणना अद्वितीय है: सांसद

विक्रमोत्सव 2025 के अंतर्गत सूर्य उपासना कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सम्राट विक्रमादित्य केन्द्रिय नाट्य का किया गया मंचन

सीधी। मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग मंत्रालय भोपाल के निर्देशानुसार विक्रम संवत 2082 के शुभारंभ के अवसर पर सूर्य उपासना कार्यक्रम का आयोजन तथा विक्रमोत्सव 2025 के अंतर्गत सम्राट विक्रमादित्य पर केन्द्रित नाट्य का मंचन मानस भवन सीधी में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद डॉ राजेश मिश्रा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन व ब्रह्म ध्वज का पूजन कर आयोजन का शुभारंभ किया गया।

सांसद डॉ राजेश मिश्रा द्वारा जिले एवं प्रदेश वासियों को विक्रम नव संवत्सर 2082 के आरंभ के अवसर पर मंगलकामनाएं दी। उन्होने क्षेत्र के समृद्धि एवं विकास की मंगल कामना की। सांसद ने भारतीय पांचांग के आधार पर सृष्टि आरंभ दिवस पर प्रकाश डाला। उन्होने प्रदेश सरकार की इस पहल के लिए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का आभार व्यक्त किया। सांसद ने कहा कि भारतीय संस्कृति के अंतर्गत पर्व और त्यौहारों का निर्धारण मंल तिथियों के आधार पर होता है। हमारी सनातन संस्कृति की खगोलीय गणना पद्धति अद्वितीय है। मुख्यमंत्री जी की इस पहल से हमारी युवा पीढ़ी का जुड़ाव अपनी संस्कृति से होगा। लोग भारतीय मान्यताओं एवं परम्पराओं के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को समझेंगे। कलेक्टर स्वरोषि सोमवंशी द्वारा जिलेवासियों को नव वर्ष एवं चैत्र नवरात्रि की शुभकामनाएं दी गई।

जिला प्रशासन सीधी के सहयोग से स्थानीय मानस भवन नाटक ष्सम्राट विक्रमादित्यष् का मंचन रोशनी प्रसाद मिश्र के निर्देशन में एक्सट्रीम आर्ट एण्ड एजुकेशनल सोसाइटी सीधी के कलाकारों द्वारा किया गया। मंच पर अभिनय ध्रुव सोनी, रवि सोनी, दीपक कुमार साकेत, विनम्रता रानी साकेत, ज्वालारानी साकेत, रामकली सिंह, शोभा सिंह, प्राची सिंह,अपर्णा सिंह, विशाल सिंह, अनुराग विश्वकर्मा, अभिषेक मौर्या, शिवम प्रजापति, रामजी प्रजापति, जय सिंह, कुंजबिहारी सिंह,संजय रावत द्वारा किया गया। मंच पर प्रकाश संचालन रजनीश जायसवाल व वस्त्र सज्जा प्रजीत साकेत ने किया। इसके साथ ही बाल कलाकार सृजन मिश्र एवं साथी कलाकार श्रुति सिंह, शुभी सिंह, दृष्टि तिवारी, मानसी तिवारी, स्वर्णिम द्विवेदी, दिव्या द्विवेदी, अनुभूति कुंदेर, अभिनय कुंदेर, देवांश तिवारी, ओमकार पाण्डेय श्लोक तिवारी एवं नितिन बघेल द्वारा सरस्वती वंदना व आल्हा गीत की प्रस्तुति दी गई। तदुपरांत सृजन मिश्र ने कृष्ण भजन गायन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया वहीं दूसरी ओर श्रुति सिंह एवं शुभी सिंह ने राम भजन गायन से सबका मन हरसाया।

इस अवसर पर पार्षद आनंद परियानी, सोमवती जायसवाल, शुभादेवी कोल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, मुख्य नगर पालिका अधिकारी मिनी अग्रवाल, के. के. तिवारी, पंकज पाण्डेय, डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. मनोज सिंह परिहार, प्रमोद द्विवेदी सहित जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मझौली में सांसद और विधायक ने किया जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ

दिव्यांजनों को सहायक यंत्रों का किया गया वितरण

सीधी। जनपद पंचायत मझौली के प्रज्ञा भवन में शासन की मंशा अनुसार कृत्रिम अंग उपकरण वितरण, जल गंगा संवर्धन अभियान 30 मार्च से शुभारंभ एवं 06 मार्च को आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत विवाहित जोड़ों को जन सहयोग से संकलित राशि से उपहार स्वरुप सामग्री वितरण का कार्यक्रम सांसद डॉ राजेश मिश्रा, विधायक धौहनी कुँवर सिंह टेकाम एवं सुनैना सिंह अध्यक्ष जनपद पंचायत मझौली की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मोटराइज्ड ट्राइसिकल 11, व्हीलचेयर 06, ट्रायसाइकल 16, श्रवणयंत्र 10, बैशाखी 08, डिजिटल मोबाइल 01 एवं अन्य आवश्यक उपकरण कुल सात लाख रुपये से अधिक के सहायक उपकरण दिव्यांगजनों को वितरण किये गये।

कार्यक्रम में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत 02 तालाब निर्माण लागत राशि रुपये 33.40 लाख का भूमि पूजन भी सांसद तथा विधायक द्वारा किया गया। इसके साथ ही कार्यक्रम में 149 जोड़े जिनका विवाह मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत दिनांक 06.03.2025 को हुआ था विवाह के दौरान जन सहयोग से संकलित राशि के उपहार प्रत्येक जोड़े को 01 नग स्टैण्ड पंखा, 01 नग 32 पीस डिनर सेट एवं 01 नग 18 लीटर का ठंडे पानी वाला कैम्पर कुल सामग्री 03 नग उपलब्ध कराया गया।

कार्यक्रम के दौरान खण्ड प्रशासन से समस्त शासकीय सेवक एव क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि एवं मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

ईद-उल-फितर त्यौहार के दृष्टिगत कार्यपालिक दंडाधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई

सीधी। अपर जिला दण्डाधिकारी द्वारा आदेश जारी कर दिनांक 31.03.2025 को ईद-उल-फितर का त्यौहार को शांतिपूर्वक मनाये जाने एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिये भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए कार्यपालिक दण्डाधिकारियों की ड्यूटी थाना क्षेत्र के लिये लगाई गई है।

जारी आदेशानुसार डॉ. सुदामा प्रसाद कोल प्रभारी नायब तहसीलदार/ कार्यपालिक दण्डाधिकारी गोपद बनास सीधी की ड्यूटी थाना जमोडी में, तीरथ प्रसाद अक्षरिया प्रभारी नायब तहसीलदार/ कार्यपालिक दण्डाधिकारी तह. गोपद बनास सीधी की ड्यूटी कोतवाली थाना सीधी में, इन्द्रभान सिंह प्रभारी नायब तहसीलदार/कार्यपालिक दण्डाधिकारी तहसील बहरी की ड्यूटी बहरी थाना सीधी में, दिनेश तिवारी प्रभारी नायब तहसीलदार/ कार्यपालिक दण्डाधिकारी तहसील सिहावल की ड्यूटी अमिलिया थाना में, आशीष मिश्रा प्रभारी नायब तहसीलदार /कार्यपालिक दण्डाधिकारी तहसील मझौली की ड्यूटी मझौली थाना में, सुषमा देवी रावत प्रभारी नायब तहसीलदार/ कार्यपालिक मजिस्ट्रेट तहसील मड़वास की ड्यूटी मड़वास थाना में, नारायण सिंह प्रभारी नायब तहसीलदार/ कार्यपालिक दण्डाधिकारी तहसील कुसमी की ड्यूटी कुसमी थाना में, सोने सिंह धुर्वे प्रभारी नायब तहसीलदार /कार्यपालिक दण्डाधिकारी उपतहसील भुईमाड़ की ड्यूटी भुईमाड़ थाना में, जय प्रकाश पाण्डेय प्रभारी नायब तहसीलदार /कार्यपालिक दण्डाधिकारी रामपुर नैकिन की ड्यूटी रामपुर नैकिन थाना में, निवेदिता त्रिपाठी प्रभारी तहसीलदार/ कार्यपालिक दण्डाधिकारी तहसील चुरहट की ड्यूटी चुरहट थाना में एवं रामप्रताप सोनी प्रभारी नायब तहसीलदार/ कार्यपालिक दण्डाधिकारी तहसील चुरहट की ड्यूटी कमर्जी थाना क्षेत्र में लगाई गई है। अपर जिला दण्डाधिकारी ने निर्देशित किया है कि उपखण्ड दण्डाधिकारी अपने-अपने अनुभाग क्षेत्रान्तर्गत संबंधित एस.डी.ओ.पी. एवं थाना प्रभारी से समन्वय स्थापित कर शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखना सुनिश्चित करेंगे। तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत राजस्व निरीक्षक, पटवारी एवं संबंधित कोटवारों को शांति एवं कानून व्यवस्था हेतु प्रत्येक स्थानों में सतत् निगरानी हेतु निर्देशित करें।

जनपद पंचायत सीधी के ग्राम पंचायत तेगवा से जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ

नये तालाब बनेंगे, पुराने तालाबों, बावड़ियों तथा कुँओं का होगा जीर्णोद्धार

सीधी। जनपद पंचायत सीधी के ग्राम पंचायत तेगवा से जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया गया। इस दौरान जनपद पंचायत सीधी के अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह परिहार के मुख्य आतिथ्य में ग्राम पंचायत तेगवा में श्रम दान अंतर्गत बैगान नाला साफ-सफाई कार्य, मंदिर परिसर साफ-सफाई, सार्वजनिक कुआं जीर्णोद्धार कार्य, पौधरोपण और बैगा आदिवासी समाज के साथ चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जनपद पंचायत सीधी के अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह परिहार ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार यह अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। यह अभियान जन-जन के जीवन से जुड़ा महत्वपूर्ण अभियान है। जल है तो कल है, जल से आने वाली पीढ़ी का भविष्य जुड़ा हुआ है। जल चिन्ता व चिंतन दोनों का विषय है। जल हमारी धरोहर है। हमारी संस्कृति एवं परंपरा में जल और वृक्षों की पूजा का बड़ा महत्व है, इसको देखते हुए इस अभियान को बेहतर और प्रभावी रूप से क्रियान्वित करना होगा। इस अभियान को समाज के हर वर्ग की भागीदारी से जन आंदोलन बनाया जायेगा।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी सीधी अशोक तिवारी द्वारा जानकारी दी गई कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुसार जनपद पंचायत सीधी में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जायेगा। इस अभियान के अंतर्गत जहां एक ओर नये तालाब बनाये जायेंगे, वहीं दूसरी ओर पुराने तालाबों, बावड़ियों और कुँओं का जीर्णोद्धार कराया जायेगा। साथ ही सघन पौधरोपण भी होगा। इसके लिए जनपद में विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। यह अभियान 30 मार्च से प्रारंभ होकर आगामी 30 जून तक सतत चलेगा। अभियान के तहत शुरुआत में ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व वाले तालाबों, जल स्रोतों तथा देवालयों में जल संरक्षण के कार्य किये जायेंगे। कार्यक्रम क्रियान्वित करवाने के लिए पानी चौपाल, पानी पंचायत, जल पंचायत भी होंगी। कार्यक्रम में सरपंच तेगवा श्यामकली, उमाशंकर यादव सांसद प्रतिनिधि, जनपद सदस्य, एसडीओ आरईएस, ए ई मनरेगा, एपीओ मनरेगा, बीसी एसबीएम, बीसी आवास, पीसीओ, उपयंत्री, सचिव, रोजगार सहायक तथा ग्रामवासी उपस्थित रहे।

मोटरसाइकिल से दक्षिण भारत की यात्रा कर लौटे डॉ त्रिपाठी का सांसद डॉक्टर मिश्रा ने किया अभिनंदन

सीधी । भाजपा के वरिष्ठ नेता और सांसद प्रतिनिधि डॉ.देवेंद्र त्रिपाठी जी एवं अशोक द्विवेदी विगत दिनों मोटर साइकिल से दक्षिण भारत के प्रमुख तीर्थ स्थानों की यात्रा 21 दिनों में सम्पन्न किए जाने पर लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने उनके निवास पहुँच कर भेंट की एवं इस सफल यात्रा की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए अभिनंदन किया। इस अवसर पर अनेक पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मोटरसाइकिल से 21 दिनों में दक्षिण भारत की यात्रा से लौटे डॉक्टर देवेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि यात्रा ऐतिहासिक और सुखद रही। यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आधुनिक भारत की झलक जगह-जगह देखने को मिली। विकास के साथ-साथ विरासत को भी संभालने का कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने किया है। रास्ते में आए हुए ऐतिहासिक स्थल, धार्मिक स्थल और पर्यटन स्थल सभी भव्य और दिव्य हो रहे हैं। यात्रा सफल और सुखद रही, इसके लिए सभी स्वजनो का हार्दिक अभिनंदन करता हूं।

सांसद डॉक्टर मिश्रा ने सुनी मन की बात

सीधी। लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय प्रसारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम को सीधी जिले के नगर मण्डल अंतर्गत वार्ड क्र.21 में कार्यकर्ताओं के साथ सुनी। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष डॉ.विक्रम सिंह, प्रमोद द्विवेदी, नगर मण्डल अध्यक्ष पंकज पांडेय, डॉ मनोज सिंह परिहार, श्रीमती रत्नू साकेत, अमित प्रधान, कौशलेंद्र सिंह, चंदन मिश्रा, नरेन्द्र गौतम, अभय सिंह सहित पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली का लाभ लेने ई-केवाईसी अनिवार्य, अंतिम तिथि 31 मार्च

ई-केवाईसी नहीं होने पर अप्रैल माह से नहीं मिलेगा खाद्यान्न

सीधी। जिला आपूर्ति अधिकारी ने जानकारी देकर बताया है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत हितग्राहियों को उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से एनएफएसए का खाद्यान्न नि:शुल्क वितरण किया जा रहा है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में प्राथमिकता परिवारों को 05 किलोग्राम खाद्यान्न प्रति सदस्य व अन्त्योदय परिवारो को 35 किलोग्राम खाद्यान्न प्रति परिवार में मान से नि:शुल्क वितरण किया जा रहा है। साथ ही समस्त हितग्राहियों को नमक का वितरण 1 रूपये प्रति किलो की दर से एवं अन्त्योदय परिवारों को शक्कर का वितरण 20 रूपये प्रति किलो की दर से किया जा रहा है। सीधी जिले में 250420 परिवार एवं 1048326 सदस्यों को वर्तमान में नि:शुल्क खाद्यान्न वितरण किया जा रहा है। निरंतर सभी उचित मूल्य दुकानों के विक्रेताओं द्वारा ई-केवाईसी की जा रही है। भारत सरकार द्वारा 01 अप्रैल 2025 से स्मार्ट पीडीएस लागू करने से जिन हितग्राहियों की ई-केवाईसी नहीं होगी उन्हे खाद्यान्न प्राप्त करने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने ऐसे हितग्राही जिनके परिवार के सभी सदस्यों की ई-केवाईसी नहीं हुई है वे उचित मूल्य दुकाने के विक्रेता से सम्पर्क कर दिनांक 31.03.2025 के पूर्व ई-केवाईसी अनिवार्य रूप से कराने की अपील की है अन्यथा हितग्राहियों को माह अप्रैल 2025 से खाद्यान्न प्राप्त नही होगा।

बोनस के साथ 2600 रुपये में खरीदा जाएगा किसानो से गेहूँ

सीधी। जिला आपूर्ति अधिकारी ने जानकारी देकर बताया है कि शासन द्वारा रबी उपार्जन वर्ष 2025-26 के लिए गेहूँ का समर्थन मूल्य 2425 रूपये तथा सरकार द्वारा घोषित बोनस 175 रूपये प्रति क्वि. के साथ किसानों से कुल 2600 रूपये प्रति क्वि. की दर से गेहूँ के उपार्जन का कार्य किया जा रहा है। समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदी के लिए किसानों का पंजीयन जारी है। पंजीयन की अंतिम तिथि 31 मार्च 2025 तक निर्धारित की गई है। एमपी किसान एप, ई-उपार्जन पोर्टल तथा मोबाइल, कम्प्यूटर, समिति के पंजीयन केन्द्र तथा ग्राम पंचायत कार्यालय में स्थापित सुविधा केन्द्र में पंजीयन की नि:शुल्क व्यवस्था की गई है। किसान सशुल्क देकर एमपी ऑनलाईन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर, लोक सेवा केन्द्र तथा साईबर कैफे से भी पंजीयन करा सकते है।

उन्होंने जिले के समस्त किसान भाईयो से अपील की है कि जिन्होंने अपना गेहूँ का पंजीयन नही कराया है। उपरोक्त किसी भी नजदीकी केन्द्र में जाकर अपना पंजीयन दिनांक 31.03.2025 से पूर्व करावे एवं गेहूँ विक्रय कर समर्थन मूल्य एवं बोनस का लाभ प्राप्त करें।

सीधी सिनेमा क्लब में दिखाई गई फिल्म मक्खी

अगर हम किसी के साथ बुरा करते है तो हमारा अच्छा नहीं हो सकता : रुचि दिव्या

सीधी। इंद्रावती नाट्य समिति , यूसीएन मास पब्लिक स्कूल , ट्रांसफ्रेम और आर्ट ऑन क्लिक के सहयोग के सहयोग से हर रविवार लोगों को ज्ञानवर्धक और मनोरंजन से ओत - प्रोत फिल्म लगातार दिखाई जाती है। इस रविवार भारतीय एक्शन को मषहूर फिल्म मक्खी का प्रदर्शन किया गया।

कहानी सुदीप एक हाई प्रोफाइल उद्योगपति है जो जो चाहता है वो पा लेता है और खूबसूरत महिलाओं पर उसकी खास नजर है। उन्हें पाने के लिए वह कुछ भी करने से नहीं हिचकिचाएगा। यह इच्छा तब जागृत होती है जब सुदीप बिंदु को देखता है, जो एक माइक्रो आर्टिस्ट है और एक गैर-लाभकारी संगठन चलाती है। हालाँकि, बिंदु को नानी से प्यार है जो हर जगह उसका पीछा करती रहती है। हालाँकि बिंदु उससे प्यार करती है, लेकिन वह उसे यह नहीं बताती और उसका ध्यान आकर्षित करने का आनंद लेती है। कहानी तब मोड़ लेती है जब सुदीप को नानी के लिए बिंदु की भावनाओं का पता चलता है और वह अपनी हार को पचा नहीं पाता है। वह नानी को मार देता है। लेकिन नानी फिर से ईगा (मक्खी) के रूप में जन्म लेती है और वह सुदीप से बदला लेना चाहता है। 2012 की भारतीय तेलुगु भाषा की फंतासी एक्शन फिल्म है, जिसे एस.एस. राजामौली ने लिखा और निर्देशित किया है। इस फिल्म का निर्माण साईं कोरापति की वाराही चलना चित्रम द्वारा 30-40 करोड़ (यूएस6-7 मिलियन) के अनुमानित बजट के साथ किया गया था।इसे तमिल में नान ई (अनुवाद- आई, द फ्लाई) शीर्षक से एक साथ फिल्माया गया था। फिल्म में नानी, सामंथा और सुदीप हैं। एम.एम. कीरावनी ने गाने और बैकग्राउंड स्कोर की रचना की, जबकि के.के. सेंथिल कुमार फोटोग्राफी के निर्देशक थे। जनार्दन महर्षि और क्रेजी मोहन ने क्रमश: तेलुगु और तमिल संस्करणों के संवाद लिखे।फिल्म की कथा एक पिता द्वारा अपनी बेटी को सुनाई गई सोने की कहानी के रूप में है। इसका नायक, नानी, जो अपनी पड़ोसी बिंदु से प्यार करता है, की हत्या सुदीप नामक एक धनी उद्योगपति द्वारा की जाती है, जो बिंदु की ओर आकर्षित होता है और नानी को अपना प्रतिद्वंद्वी मानता है। नानी एक घरेलू मक्खी के रूप में पुनर्जन्म लेता है और उसकी मौत का बदला लेने और बिंदु को जुनूनी सुदीप से बचाने की कोशिश करता है।

फिल्म का विचार 1990 के दशक के मध्य में एक बातचीत से उत्पन्न हुआ जिसमें राजामौली के पिता और पटकथा लेखक वी. विजयेंद्र प्रसाद ने राजामौली के साथ एक मक्खी के इंसान से बदला लेने के विचार के बारे में मज़ाक किया। राजामौली ने मर्यादा रमन्ना (2010) खत्म करने के बाद इस विचार पर पुनर्विचार किया और इसे एक स्क्रिप्ट में विकसित किया। फिल्म का निर्माण 7 दिसंबर 2010 को हैदराबाद के रामानायडू स्टूडियो में शुरू हुआ।

भाजपा जिला अध्यक्ष ने सुनी मन की बात

सीधी। भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान की अगुवाई में जिले के 1037 बूथो पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात का कार्यक्रम सुना गया। सीधी नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 19 में आयोजित मन की बात कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान सैकड़ो पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के साथ उपस्थित रहकर मन की बात सुनी। इस अवसर पर प्रमुख रूप से नगरी निकाय के प्रदेश सह संयोजक जितेन्द्र सिंह चौहान, विश्ववंधुधर द्विवेदी, डा मनीला सिंह चौहान, जगदंबा सोनी, पार्षद बाबूलाल कुशवाहा, शिवदान साकेत सहित सैकड़ो वार्ड वासी उपस्थित रहे।

संपादकीय

पत्रकारों पर बढ़ती सख्ती से लोकतंत्र को खतरा

एक लोकतांत्रिक देश के संघीय ढांचे की अहम पहचान है सवाल पूछना और अभिव्यक्ति की आजादी। नागरिकों की आवाज को समाचार में जगह देना पत्रकार का दायित्व होता है। अगर वह सच्चाई सामने नहीं लाएगा, जनता की परेशानियों तथा उनकी नाराजगी को सामने नहीं रखेगा, तो पत्रकारिता अपना मूल उद्देश्य खो देगी। लेकिन आलम यह है कि शासन तंत्र अपने खिलाफ कोई भी स्वर नहीं सुनना चाहता। इसकी बानगी गुवाहाटी में देखने को मिली, जहां एक सहकारी बैंक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान वित्तीय अनियमितताओं को लेकर सवाल पूछने वाले पत्रकार को गिरफ्तार कर लिया गया।हालांकि बाद में एक अदालत ने पत्रकार को जमानत दे दी। उस बैंक में अहम पदों पर सत्ता से जुड़े रसूखदार लोग काबिज हैं और वह पत्रकार वहां चल रही अनियमितताओं को लेकर लगातार अपने समाचार पोर्टल पर लिख रहा था। हालांकि इस संबंध में पुलिस का कहना है कि उस पत्रकार ने जनजातीय समुदाय के एक व्यक्ति के खिलाफ जातिवादी टिप्पणियां की थी।व्यवस्था के विरोध में जनता के लिए लिखने वाले पत्रकारों के प्रति शासन की असहिष्णुता की खबरें अक्सर सामने आती हैं। लेकिन ऐसी स्थिति में कोई पत्रकार कैसे अपनी जिम्मेदारी निभा पाएगा। तमाम वैश्विक एजेंसियां भारत में प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर सवाल उठा रही हैं। यह खेदजनक है कि प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत लगातार नीचे खिसक रहा है। 180 देशों में भारत वर्तमान में 159वें स्थान पर है। वर्ष 2003 से ही भारत का प्रदर्शन खराब आंका जा रहा है।सूचकांक के अनुसार, भारत में प्रेस की स्वतंत्रता को कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्रों, संयुक्त अरब अमीरात, तुर्किये और रूस के बराबर माना जा रहा है। ब्रिक्स देशों में ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका को भारत की तुलना में ज्यादा स्वतंत्रता प्राप्त है, जबकि चीन और रूस निचले पायदान पर हैं। दक्षिण एशियाई देशों में, बांग्लादेश को छोड़कर अन्य सभी देश नवीनतम सूची में भारत से बेहतर स्थान पर हैं। हमें सोचना होगा कि हम कहां खड़े हैं। लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने वाले इस अहम कारक की ओर ध्यान देना होगा कि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता ही है जो भारत के लोकतंत्र को मजबूत करती है।

नव संवत्सर- भारत का नव वर्ष

आज यह प्रामाणिक रूप से कहा जा सकता है कि अपने स्वर्णिम अतीत को विस्मृत करने वाला भारतीय समाज अब अपनी जड़ों की ओर लौट रहा है। सही मायनों में कहा जाए तो समाज प्राकृतिक होने की ओर कदम बढ़ा चुका है। विश्व की महान और शाश्वत परंपराओं का धनी भारत देश भले ही अपने अपनी पहचान बताने वाली कई बातों का भूल गया हो, लेकिन कुछ बातें ऐसी भी हैं, जिनका स्वरुप आज भी वैसा ही दिखाई देता है, जैसा दिग्विजयी भारत का था। हम भले ही अपने शुभ कार्यों में अंग्रेजी तिथियों का उल्लेख करते हों, लेकिन उन तिथियों का उन शुभ कार्यों से कोई संबंध नहीं रहता। हम जानते हैं कि भारत में जितने भी त्यौहार एवं मांगलिक कार्य किए जाते हैं, उन सभी में केवल भारतीय काल गणना को ही प्रधानता दी जाती है। इसका आशय स्पष्ट है कि भारतीय ज्योतिष उस कार्य के गुण और दोष को भली भांति प्रकट करने की क्षमता रखता है। किसी अन्य कालगणना में यह संभव ही नहीं है।

(सुरेश हिंदुस्तानी)

भारतीय नव वर्ष का अध्ययन किया जाए तो चारों तरफ नई उमंग की धारा प्रवाहित होती हुई दिखाई देती है। जहां प्रकृति अपने पुराने आवरण को उतारकर नए परिवेश में आने को आतुर दिखाई देती है, वहीं भारत माता अपने पुत्रों को धन धान्य से परिपूर्ण करती हुई दिखाई देती है।

आज यह प्रामाणिक रूप से कहा जा सकता है कि अपने स्वर्णिम अतीत को विस्मृत करने वाला भारतीय समाज अब अपनी जड़ों की ओर लौट रहा है। सही मायनों में कहा जाए तो समाज प्राकृतिक होने की ओर कदम बढ़ा चुका है। विश्व की महान और शाश्वत परंपराओं का धनी भारत देश भले ही अपने अपनी पहचान बताने वाली कई बातों का भूल गया हो, लेकिन कुछ बातें ऐसी भी हैं, जिनका स्वरुप आज भी वैसा ही दिखाई देता है, जैसा दिग्विजयी भारत का था। हम भले ही अपने शुभ कार्यों में अंग्रेजी तिथियों का उल्लेख करते हों, लेकिन उन तिथियों का उन शुभ कार्यों से कोई संबंध नहीं रहता। हम जानते हैं कि भारत में जितने भी त्यौहार एवं मांगलिक कार्य किए जाते हैं, उन सभी में केवल भारतीय काल गणना को ही प्रधानता दी जाती है। इसका आशय स्पष्ट है कि भारतीय ज्योतिष उस कार्य के गुण और दोष को भली भांति प्रकट करने की क्षमता रखता है। किसी अन्य कालगणना में यह संभव ही नहीं है।

वर्तमान में हम भले ही स्वतंत्र हो गए हों, लेकिन पराधीनता का काला साया एक आवरण की तरह हमारे सिर पर विद्यमान है। जिसमें चलते हम उस राह का अनुसरण करने की ओर प्रवृत्त हुए हैं, जो हमारे संस्कारों के साथ समरस नहीं है। अब नव वर्ष को ही ले लीजिए। अंग्रेजी पद्धति से एक जनवरी को मनाया जाने वाला वर्ष नया कहीं से भी नहीं लगता। इसके नाम पर किया जाने वाला मनोरंजन फूहड़ता के अलावा कुछ भी नहीं है। सोचने की बात यह है कि आधुनिकता के नाम पर समाज का अभिजात्य वर्ग वह सब कुछ कर रहा है, जो सभ्य और भारतीय समाज के लिए स्वीकार करने योग्य नहीं है। विसंगति तो यह है कि हमारे समाज के यही लोग संस्कृति बचाने के नाम पर लम्बे चौड़े व्याख्यान देते हैं। भारतीय काल गणना के अनुसार मनाए जाने वाले त्यौहारों के पीछे कोई न कोई प्रेरणा विद्यमान है। हम जानते हैं कि हिन्दी के अंतिम मास फाल्गुन में वातावरण भी वर्ष समाप्ति का संकेत देता है, साथ ही नव वर्ष के प्रथम दिन से ही वातावरण सुखद हो जाता है। हमारे ऋषि मुनि कितने श्रेष्ठ होंगे, जिन्होंने ऐसी काल गणना विकसित की, जिसमें कब क्या होना है, इस बात की पूरी जानकारी समाहित है।

पिछले दो हजार वर्षों में अनेक देशी और विदेशी राजाओं ने अपनी साम्राज्यवादी आकांक्षाओं की तुष्टि करने तथा इस देश को राजनीतिक दृष्टि से पराधीन बनाने के प्रयोजन से अनेक संवतों को चलाया, किंतु भारत राष्ट्र की सांस्कृतिक पहचान केवल विक्रमी संवत के साथ ही जुड़ी रही। अंग्रेजी शिक्षा-दीक्षा और पश्चिमी संस्कृति के प्रभाव के कारण आज भले ही सर्वत्र ईसवी संवत का बोलबाला हो और भारतीय तिथि-मासों की काल गणना से लोग अनभिज्ञ होते जा रहे हों, परंतु वास्तविकता यह भी है कि देश के सांस्कृतिक पर्व-उत्सव तथा राम, कृष्ण, बुद्ध, महावीर, गुरु नानक आदि महापुरुषों की जयंतियाँ आज भी भारतीय काल गणना के हिसाब से ही मनाई जाती हैं, ईसवी संवत के अनुसार नहीं। विवाह-मुण्डन का शुभ मुहूर्त हो या श्राद्ध-तर्पण आदि सामाजिक कार्यों का अनुष्ठान, ये सब भारतीय पंचांग पद्धति के अनुसार ही किया जाता है, ईसवी सन की तिथियों के अनुसार नहीं। इसके बाद भी हमारे समाज का एक वर्ग इस सत्य को स्वीकार नहीं कर पा रहा है। इसके कारण हम सामाजिक मान मर्यादाओं का स्वयं ही मर्दन करते जा रहे हैं। जिसके चलते इसका दुष्प्रभाव हमारे सामने आ रहा है और समाज में अनेक प्रकार की विसंगतियां भी जन्म ले रही हैं, जो भारतीय जीवन दर्शन के हिसाब से स्वीकार योग्य नहीं हैं।

भारतीय नव वर्ष का अध्ययन किया जाए तो चारों तरफ नई उमंग की धारा प्रवाहित होती हुई दिखाई देती है। जहां प्रकृति अपने पुराने आवरण को उतारकर नए परिवेश में आने को आतुर दिखाई देती है, वहीं भारत माता अपने पुत्रों को धन धान्य से परिपूर्ण करती हुई दिखाई देती है।

भारतीय नव वर्ष के प्रथम दिवस पूजा पाठ करने से असीमित फल की प्राप्ति होती है। कहा जाता है कि शुभ कार्य के लिए शुभ समय की आवश्यकता होती है और यह शुभ समय निकालने की सही विधा केवल भारतीय काल गणना में ही समाहित है। भारतीय नववर्ष का पहला दिन यानी सृष्टि का आरम्भ दिवस, युगाब्द और विक्रम संवत जैसे विश्व के प्राचीन संवत का प्रथम दिन, श्रीराम एवं युधिष्ठिर का राज्याभिषेक दिवस, मां दुर्गा की साधना चैत्र नवरात्रि का प्रथम दिवस, राष्टीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक, प्रखर देशभक्त डॉ. केशवराव हेडगेवार जी का जन्मदिवस, आर्य समाज का स्थापना दिवस, संत झूलेलाल जयंती। इतनी विशेषताओं को समेटे हुए हमारा नव वर्ष वास्तव में हमें कुछ नया करने की प्रेरणा देता है। वास्तव में ये वर्ष का सबसे श्रेष्ठ दिवस है।

नववर्ष का प्रारम्भ चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से माना जाता है। ब्रह्मपुराण के अनुसार पितामह ब्रह्मा ने इसी दिन से सृष्टि निर्माण प्रारम्भ किया था, इसलिए यह सृष्टि का प्रथम दिन है। इसकी काल गणना बड़ी प्रचीन है। सृष्टि के प्रारम्भ से अब तक लगभग 1 अरब, 95 करोड़, 58 लाख, 85 हजार, 115 वर्ष बीत चुके हैं। यह गणना ज्योतिष विज्ञान द्वारा निर्मित है। आधुनिक वैज्ञानिक भी सृष्टि की उत्पत्ति का समय एक अरब वर्ष से अधिक बता रहे हैं। जो भारतीय काल गणना की शाश्वत उपयोगिता का प्रमाण देता है। हिन्दु शास्त्रानुसार इसी दिन से ग्रहों, वारों, मासों और संवत्सरों का प्रारम्भ गणितीय और खगोल शास्त्रीय संगणना के अनुसार माना जाता है।

भारतवर्ष में वसंत ऋतु के अवसर पर नूतन वर्ष का आरम्भ मानना इसलिए भी हर्षोल्लासपूर्ण है, क्योंकि इस ऋतु में चारों ओर हरियाली रहती है तथा नवीन पत्र-पुष्पों द्वारा प्रकृति का नव शृंगार किया जाता है। लोग नव वर्ष का स्वागत करने के लिए अपने घर-द्वार सजाते हैं तथा नवीन वस्त्राभूषण धारण करके ज्योतिषाचार्य द्वारा नूतन वर्ष का संवत्सर फल सुनते हैं।

विक्रमादित्य ने भारत की इन तमाम कालगणनापरक सांस्कृतिक परम्पराओं को ध्यान में रखते हुए ही चैत्र शुक्ल प्रतिपदा की तिथि से ही अपने नवसंवत्सर संवत को चलाने की परम्परा शुरू की थी और तभी से समूचा भारत इस तिथि का प्रतिवर्ष अभिवंदन करता है। ऐसे में विचारणीय तथ्य यह है कि हम जड़ों से जुड़े रहना चाहते हैं या फिर जड़ बनकर पश्चिम के पीछे भागना चाहते हैं।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि 31 मार्च को गणगौर पर्व मनेगा। ये त्योहार चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाता है। गणगौर पूजा चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि से आरम्भ की जाती है। इसमें कन्याएं और शादीशुदा महिलाएं मिट्टी के शिवजी यानी गण और माता पार्वती यानी की गौर बनाकर पूजन करती हैं। गणगौर के समाप्ति पर त्योहार धूम धाम से मनाया जाता है और झांकियां भी निकलती हैं। सोलह दिन तक महिलाएं सुबह जल्दी उठकर बगीचे में जाती हैं, दूब और फूल चुन कर लाती हैं। दूब लेकर घर आती है उस दूब से मिट्टी की बनी हुई गणगौर माता दूध के छीटें देती हैं।

गणगौर पर्व मां पार्वती को समर्पित है

(डा. अनीष व्यास)

भविष्यवक्ता डॉ अनीष व्यास ने बताया कि राजस्थान में गणगौर का त्योहार फाल्गुन माह की पूर्णिमा (होली) के दिन से शुरू होता है, जो अगले 17 दिनों तक चलता है। 17 दिनों में हर रोज भगवान शिव और माता पार्वती की मूर्ति बनाई जाती है और पूजा व गीत गाए जाते हैं।

गणगौर का पर्व राजस्थान और भारत की भूमि के लिए बड़ा ही पवित्र और सुखद त्यौहार माना जाता है। इस पर्व को भारत में अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग नामों से भी जाना जाता है। यह पर्व मां पार्वती को समर्पित है और इस पर्व में उन्हीं की पूजा की जाती है। खास तौर से राजस्थान में गणगौर का बेहद ही महत्व है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि गणगौर का पर्व हर वर्ष चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। इस बार यह तिथि 31 मार्च 2025 को है। गणगौर की पूजा चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन की जाती है। इस दौरान सुहागन और कुंवारी कन्याएं माता पार्वती और शिवजी की पूजा करती हैं और पति की लंबी उम्र के लिए कामना करती हैं। इस पर्व की खास रौनक राजस्थान में देखने को मिलती है। राजस्थान के अलावा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा और गुजरात के कुछ इलाकों में भी यह पर्व मनाया जाता है। ये पर्व करवा चौथ जैसे ही मान्यता रखता है। इसके अनुसार कुंवारी कन्याएं और महिलाएं अच्छा पति पाने और पति के साथ सुखद जीवन व्यतीत करने के लिए इस व्रत का अनुसरण करती है। माना जाता है कि ऐसा करने से पति-पत्नी के बीच भगवान शिव और मां पार्वती जैसा ही सुखद दाम्पत्य संबंध बनता है।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि 31 मार्च को गणगौर पर्व मनेगा। ये त्योहार चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाता है। गणगौर पूजा चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि से आरम्भ की जाती है। इसमें कन्याएं और शादीशुदा महिलाएं मिट्टी के शिवजी यानी गण और माता पार्वती यानी की गौर बनाकर पूजन करती हैं। गणगौर के समाप्ति पर त्योहार धूम धाम से मनाया जाता है और झांकियां भी निकलती हैं। सोलह दिन तक महिलाएं सुबह जल्दी उठकर बगीचे में जाती हैं, दूब और फूल चुन कर लाती हैं। दूब लेकर घर आती है उस दूब से मिट्टी की बनी हुई गणगौर माता दूध के छीटें देती हैं। वे चैत्र शुक्ल द्वितीया के दिन किसी नदी, तालाब या सरोवर पर जाकर अपनी पूजी हुई गणगौरों को पानी पिलाती हैं। दूसरे दिन शाम को उनका विसर्जन कर देती हैं। जहां पूजा की जाती है उस जगह को गणगौर का पीहर और जहां विसर्जन होता है उस जगह को ससुराल माना जाता है।

17 दिन तक मनाया जाता है यह पर्व- भविष्यवक्ता डॉ अनीष व्यास ने बताया कि राजस्थान में गणगौर का त्योहार फाल्गुन माह की पूर्णिमा (होली) के दिन से शुरू होता है, जो अगले 17 दिनों तक चलता है। 17 दिनों में हर रोज भगवान शिव और माता पार्वती की मूर्ति बनाई जाती है और पूजा व गीत गाए जाते हैं। इसके बाद चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन महिलाएं सोलह श्रृंगार करके व्रत और पूजा करती हैं और शाम के समय गणगौर की कथा सुनते हैं। मान्यता है कि बड़ी गणगौर के दिन जितने गहने यानी गुने माता पार्वती को अर्पित किए जाते हैं, उतना ही घर में धन-वैभव बढ़ता है। पूजा के बाद महिलाएं ये गुने सास, ननद, देवरानी या जेठानी को दे देते हैं। गुने को पहले गहना कहा जाता था लेकिन अब इसका अपभ्रंश नाम गुना हो गया है।

अविवाहित कन्या करती हैं अच्छे वर की कामना- ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि गणगौर एक ऐसा पर्व है जिसे, हर महिला करती है। इसमें कुवारी कन्या से लेकर, शादीशुदा तक सब भगवान शिव और देवी पार्वती की पूजा करती हैं। ऐसी मान्यता है कि शादी के बाद पहला गणगौर पूजन मायके में किया जाता है। इस पूजन का महत्व अविवाहि त कन्या के लिए, अच्छे वर की कामना को लेकर रहता है जबकि, शादीशुदा महिला अपने पति की लंबी उम्र के लिए ये व्रत करती है। इसमें अविवाहित कन्या पूरी तरह से तैयार होकर और शादीशुदा सोलह श्रृंगार करके पूरे सोलह दिन विधि-विधान से पूजन करती हैं।

देवी पार्वती की विशेष पूजा- भविष्यवक्ता एवं कुंडली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास ने बताया कि गणगौर पर देवी पार्वती की भी विशेष पूजा करने का विधान है। तीज यानी तृतीया तिथि की स्वामी गौरी हैं। इसलिए देवी पार्वती की पूजा सौभाग्य सामग्री से करें। सौलह श्रृंगार चढ़ाएं। देवी पार्वती को कुमकुम, हल्दी और मेंहदी खासतौर से चढ़ानी चाहिए। इसके साथ ही अन्य सुगंधित सामग्री भी चढ़ाएं।

गणगौर पर्व का महत्व- कुंडली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास ने बताया कि गणगौर शब्द गण और गौर दो शब्दों से मिलकर बना है। जहां 'गण का अर्थ शिव और 'गौर का अर्थ माता पार्वती से है। दरअसल, गणगौर पूजा शिव-पार्वती को समर्पित है।

वर्ग पहेली 5686

संकेत: बाएं से दाएं
1. 1953 को यह देश फ्रांस से स्वतंत्र हुआ (4)
4. चोरी करने के लिए दीवार में किया गया छेद (3)
7. जाने की क्रिया यह कहलाती है (6)
8. लदाई करना, उद्भरण करना (3)
10. नाम को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
11. प्रतिष्ठा, ख्याति, माप (2)
14. किसी का हक मारा जाना, स्वत्व हानि (उर्दू)(5)
16. पथ, मार्ग, रास्ता, पंथ (2)
18. वह व्यक्ति जो शासक हो, पटरी, पैमाना (अंग्रेजी) (3)
19. जिसने पहले किसी अपराध में सजा पायी हो, प्राणदंड (उर्दू)(4)
21. दीवारों आदि पर बनाए हुए फूल आदि, छोटा वृक्ष (2)
22. मुस्लिम धर्म की ईश प्रार्थना जो पांच वक्त की होती है (3)
23. समतल, चौरस, अंगीकृत (4)

(ऊपर से नीचे
1. यह हमारे देश के प्रथम प्रधानमंत्री की पत्नी का नाम है (6)
2. विचलित होना, डगमगाना (3)
3. तीन घंटे का समय, एक पहर (2)
4. बनावटी, कृत्रिम, कूटकृत (3)
5. महसूल, टेक्स, हाथ, हस्त (2)
6. रूप या अस्तित्व प्रदान करना, केला (अंग्रेजी)(3)
9. अग्नि बुझाने का यंत्र (4)
11. सुस्वादु भोजन, क्रय-विक्रय की वस्तु (2)
12. उत्तम, बढ़िया, उम्दा (उर्दू)(3)
13. परजन भावनापूर्ण, अपनत्वहीन (3)
15. एक प्रकार का फल जो आकार में बड़ा होता है (4)
17. सप्ताह में एक बार होने वाला, साप्ताहिक (2)
20. फर्श पर बिछाने की छपी हुई चादर (3)

वर्ग पहेली 5685 का हल

श्री	स		सा	ब	र	म	ती
वा	म		ध	म	की		त
	का	नू	न		ब	घा	र
फ	लि	त				त	
	क	न्न	क		डा	ल	ना
पी		वा	र	ना		ग	म
प		द	वा	मी		ना	क
ल	क्ष		ना		हां		

पुरानी दिल्ली में गणगौर पूजा से जुड़ी हैं अनोखी परंपराएं

(पूनम बिष्ट)

गणगौर पूजा का इंतजार हर राजस्थानी परिवार को बड़ी शिद्दत से रहता है। होली के दिन से शुरू होने वाले इस पर्व का समापन 31 मार्च को गणगौर पूजा और पधराने की परंपरा के साथ होगा। ऐसे में जानते हैं कि घरों में किस तरह इस पर्व को मनाया जाता है।

चिकनी मिट्टी से हाथ से बनाए जाते हैं गणगौर- पुरानी दिल्ली में तो इसे और भी धूमधाम से मनाने की परंपरा है। पूर्वी दिल्ली की रहने वालीं पूजा शर्मा अपनी बहू की पहली गणगौर पूजा करवा रही हैं। वह बताती हैं, असल में यह पर्व खेलने वाली होली के दिन से शुरू हो जाता है और 18 दिन तक चलता है। होली वाले दिन पांच उपले घर में लाए जाते हैं, उसके बाद बासोड़ा के दिन गणगौर बैठाई जाती है। फिर बनवारा निकलता है। बासोड़ा जिस दिन होता है, उस दिन शिव-पार्वती की प्रतिमाएं घर में रखी जाती हैं।

मेरी पैदाइश पुरानी दिल्ली की ही है और यहां गणगौर प्रतिमाएं चिकनी मिट्टी की मदद से हाथों से ही बनाई जाती हैं। प्रतिमा की आंख, नाक, हाथ, पैर जौ से ही बनाए जाते हैं। शिवजी के मुकुट पर भी जौ लगाई जाती है। रोज पूजा के समय जब पानी के छींटे इन जौ पर पड़ते हैं तो अंकुर फूटते हैं। हालांकि मैं इस बार बनी-बनाई प्रतिमाएं लाई हूं तो जौ को अलग से अंकुरित किया है। गणगौर को रोज सुबह भोग लगाया जाता है और शाम के समय पानी देकर जिमाया जाता है। गणगौर पर गोल गूने देने की परंपरा है। जिस लड़की का पहला गणगौर होता है, वह पूजा के अंतिम दिन कोरे वस्त्रों में सजकर पूजा के बाद गणगौर को पधराने (विसर्जन कराने) ले जाती है। इस दौरान देवी पार्वती से प्रार्थना की जाती है कि अपने जैसा ही सुहाग दियो। पूजा के अंतिम दिन जितना भी सामान या भोग गणगौर को चढ़ता है, वह सब माली को देने की परंपरा है। पुरानी दिल्ली में तो पार्क में ही एक जगह माली कुंड बना देते थे और उसी में गणगौर को पधारा जाता है।

11 साल की उम्र से कर रही गणगौर पूजा - पालम की रहने वालीं पूजा शर्मा 11 साल की उम्र से गणगौर पूजा कर रही हैं। वह बताती हैं, मैं पारंपरिक राजस्थानी परिवार से ही हूं तो शादी से पहले भी कई गणगौर पूजा कीं। असल में यह सिर्फ सुहागिनों का त्योहार नहीं। अच्छे सुगाह, बढ़िया घर-परिवार पाने की आस में कुंवारी लड़कियां भी यह पूजा करती हैं। इसमें दो-दो लड़कियों का जोड़ा होता है। वो दूब चुनकर लाती हैं और उनकी कोंपलों से पूजा करती हैं। सुहागिनें पूरी की पूरी दूब से पूजा करती हैं।

आज का राशिफल

मेष
आज भाग्य साथ दे रहा है और आपको करियर के मामले में लाभ होगा। बढ़ते हुए आर्थिक कष्ट से मुक्ति मिलेगी। काफी संघर्ष के बाद आपको परेशानियों से कुछ राहत मिलेगी। सकारणीय दूर की यात्रा भी हो सकती है। छोटे मोटे पार्ट टाईम कारोबार के लिए भी समय निकालना आसान रहेगा। महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति का दिन है।

वृष
आज दिन लाभ से भरा होगा। आपकी योजनांए सफल होंगी और धन में वृद्धि होगी। आपको मान सम्मान प्राप्त होगा और कारोबारी योजनाएं सफल होंगी। परिवार में किसी शुभ मांगलिक कार्य के आयोजन की चर्चा चलेगी और आपका बजट भी ठीकठाक रहेगा।

तुला
आज आर्थिक लाभ होगा। आप पुराने कर्ज चुकाने में सफल होंगे। आपको कुछ जरूरी सामान की खरीदारी करनी पड़ सकती है। अपने बजट का ध्यान रखें। फालतू खर्च से बचें। ऐसी चीजें न खरीदें जो फिलहाल आपके काम की न हों। आपके नए विचारों को सराहा जाएगा और उनसे आपको लाभ होगा।

वृश्चिक
आज आर्थिक मामलों में लाभ होगा। आपका दिन काफी व्यस्त रहेगा। दिन के पहले भाग में आपको कुछ जरूरी फोन कॉल्स और ईमेल्स का जवाब देना होगा। कोई पुराना दोस्त अचानक मिल सकता है। अगर वह उधार मांगे तो पहले अपनी बचत पर विचार करें, फिर फैसला लें।

मिथुन
आज करियर में लाभ और आपको अप्रत्याशित उन्नति हासिल होगी। स्वयं आपकी नजर भी अपनी उपलब्धियों पर लग सकती है। प्रगति की इस गति को स्थायी रखना आपका प्रमुख कार्य होना चाहिए अन्यथा आगे चलकर प्रतिष्ठा को धक्का लग सकता है।

कर्क
आज दिन आर्थिक लाभ का है। आपको खुद को साबित करने के कई मौके मिलेंगे। इन मौकों का फायदा उठाएं और अपनी क्षमता दिखाएं। याद रखें, मौके बार-बार नहीं आते। आर्थिक और करियर के मामले में आपको फायदा होगा और आपकी योग्यता साबित होगी।

धनु
आज दिन शुभ रहेगा। ऑफिस में आपको कुछ नए अधिकार मिल सकते हैं। किसी रचनात्मक काम में आपकी रुचि बढ़ेगी। शाम को आप जरूरी सामान की खरीदारी करेंगे। घर के बड़ों से बहस करने से बचें, उनकी राय सुनें। परिवार के मामले में कोई बड़ा फैसला लेना पड़ सकता है। धनु राशि के लोगों को नए अवसर मिलेंगे।

मकर
आज आर्थिक लाभ होगा और उनके सम्मान में वृद्धि होगी। मन में नई ऊर्जा का संचार होगा। ऑफिस में किसी नए काम को लेकर उत्साहित रहेंगे। दिल की बात कहने का यह सही समय है। प्रमोशन या वेतन वृद्धि की बात चल रही है। अपने उत्साह पर नियंत्रण रखें।

सिंह
आज का दिन फायदेमंद रहेगा। आपको खुशी महसूस होगी। किसी बहस या विवाद में आपकी जीत हो सकती है। व्यापार के मामले में आपको किसी से सलाह लेनी पड़ सकती है। हर नए काम के कानूनी पहलुओं पर ध्यान दें। धन और सम्मान के मामले में लाभ होगा और आपकी योजनाएं सफल होंगी।

कन्या
आज दिन शुभ है और आपको धन के मामले में लाभ होगा। आपकी आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। आज आपको कई जिम्मेदारियां निभानी होंगी। घर के सभी अधूरे कामों को पूरा करने का मौका मिलेगा। शाम को आप अपने प्रिय के साथ घूमने का प्लान बना सकते हैं।

कुंभ
आज दिन अच्छा है। दिन के पहले भाग में लाभ होगा और आपकी योजनाएं सफल होंगी। नौकरी में लाभ और सम्मान मिलेगा। जीवन के हर क्षेत्र में सफलता मिलेगी और आपका सम्मान बढ़ेगा। ऑफिस में आपके काम की प्रशंसा होगी। अनुभव के मामले में लाभ होगा। इसका मतलब है कि सफलता मिलेगी।

मीन
आज लाभ होगा। जीवन आराम से बीतेगा। विरोधियों की आलोचना पर ध्यान न दें। अपना काम करते रहें। सफलता जरूर मिलेगी। सामाजिक दायरे में आपका प्रभाव बढ़ेगा। मान-सम्मान में वृद्धि हो सकती है। उसकी बात पर यकीन न करें और अपने दिमाग का प्रयोग करके फैसला करें। सफलता मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

ओवैसी ने कुणाल कामरा का समर्थन किया, कहा- उन्होंने शिंदे का नाम नहीं लिया

हैदराबाद, एजेंसी। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया. उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बारे में उनकी टिप्पणी से जुड़े कथित विवादों के बीच उन्होंने सवाल किया कि उनकी टिप्पणी को व्यक्तिगत स्तर पर क्यों लिया गया। ओवैसी ने आगे कहा कि देश में सबसे बड़ा गद्दार वह है जो कानून को चुनिंदा तरीके से लागू करता है. एएनआई से बात करते हुए ओवैसी ने कहा, कुणाल कामरा एक स्टैंडअप कॉमेडियन हैं. वह कोई राजनेता नहीं हैं. उन्हें चुनाव लड़ने को लेकर कोई वास्ता नहीं है. उन्होंने एकनाथ शिंदे का नाम नहीं लिया है, लेकिन एकनाथ शिंदे, उनकी पार्टी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने इसे व्यक्तिगत स्तर पर ले लिया है. आप उन्हें गद्दार कैसे कह सकते हैं? उन्होंने कहा, इस देश में सबसे बड़ा गद्दार वह है जो कानून के शासन को भूल जाता है. इस देश में सबसे बड़ा गद्दार या गद्दार वह है जो कानून को चुनिंदा तरीके से लागू करता है. ओवैसी ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर भी कटाक्ष करते हुए सवाल किया कि वह अपने राज्य की उस घटना को क्यों भूल गए, जहां किसी ने कथित रूप से पहले पैगंबर मोहम्मद के बारे में बकवास बातें कही थी. इससे मुख्यमंत्री फडणवीस को ठेस नहीं पहुंची? क्या इस वक्तव्यों से शिंदे के अहंकार को ठेस नहीं पहुंची? इस बीच, शिवसेना नेता संजय राउत ने विवादास्पद टिप्पणी को लेकर खार पुलिस स्टेशन में कुणाल कामरा के खिलाफ तीन अतिरिक्त मामले दर्ज होने के बाद उनके लिए विशेष सुरक्षा की मांग की है. संजय राउत ने कहा कि जिस तरह भारतीय जनता पार्टी की सांसद कंगना रनौत को शिवसेना के साथ दरार के बाद सुरक्षा दी गई थी, उसी तरह कामरा को भी प्रदान की जानी चाहिए। संजय राउत मीडिया के समक्ष कहा कि मैं महाराष्ट्र सरकार से कुणाल कामरा को विशेष सुरक्षा प्रदान करने की मांग करता हूं. साथ ही कहा कि कंगना रनौत को उनकी सुरक्षा के लिए विशेष बल प्रदान किया गया था, जब उनका हमारे साथ मतभेद था।

विभाजनकारी ताकतों को सफल नहीं होने देगी कांग्रेस : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस उन लोगों को नहीं बख्शेगी जो विभाजनकारी एजेंडे के साथ चुनाव जीतने की कोशिश करते हैं। रमजान के मौके पर अपने विधानसभा क्षेत्र कोडंगल में आयोजित इफ्तार में उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ लड़ाई में सबसे आगे रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान नफरत के बाजार' में 'मोहब्बत की दुकान' खोलने पर जोर दिया था। उन्होंने कहा, कुछ लोग चुनाव जीतने के लिए इस देश में लोगों को बांटकर राजनीतिक लाभ हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। चुनाव जीतना गलत नहीं है। लेकिन, कुछ लोग चुनाव जीतने के लिए लोगों को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। यह गलत है। कांग्रेस पार्टी, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे जी (कांग्रेस अध्यक्ष) या आपका भाई रेवंत रेड्डी उन्हें सफल नहीं होने देंगे।

भारत ने ब्रह्मांड के बारे में दुनियाभर में समझ पैदा करने में योगदान दिया : सोमनाथ

बेंगलुरु, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष एस सोमनाथ ने शनिवार को यहां 'महासलिला' और 'सूर्य सिद्धांत' जैसे प्राचीन ग्रंथों का हवाला देते हुए कहा कि भारत हमेशा से एक महान राष्ट्र रहा है जिसने वेदों के समय से लेकर आज के उन्नत वैज्ञानिक युग तक ब्रह्मांड के बारे में दुनियाभर में समझ पैदा करने में योगदान दिया है। भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद के 60वें वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने शोध संगठनों, शिक्षा जगत और उद्योग के बीच संबंध की आवश्यकता पर बल दिया। सोमनाथ ने कहा, ''इस मौके पर मैं भारत की समृद्ध और गौरवशाली ज्ञान परंपरा पर प्रकाश डालना चाहूंगा। वेदों से लेकर आधुनिक वैज्ञानिक युग तक, भारत हमेशा ब्रह्मांड के संबंध में दुनियाभर में समझ पैदा करने में योगदान देने वाला एक महान राष्ट्र रहा है।

छत्तीसगढ़ में लगातार सिमट रहा है नक्सलियों का प्रभाव

नईदिल्ली, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में भारतीय सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में कम से कम 16 माओवादियों की मौत हुई है.बीते कुछ महीनों में सुरक्षा बलों ने माओवादियों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है.इसके नतीजे में सैकड़ों माओवादियों की मौत हुई है.पुलिस ने बताया है कि शनिवार को छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के जंगलों में शनिवार को हुई मुठभेड़ में माओवादियों की मौत हुई है.सुरक्षाबलों ने जंगलों में माओविदियों के छिपे होने की खबर पाने के बाद वहां छापा मारा था.समाचार एजेंसी एएफपी को सुकमा जिले के पुलिस प्रमुख पी सुंदरराज ने बताया, हमें अब तक 16 माओवादियों के शव मिले हैं उनका कहना है कि यह संख्या बढ़ सकती है.सुंदरराज के मुताबिक खबर लिखे जाने तक मुठभेड़ जारी थी.सुरक्षाबलों ने माओवादियों के पास से बड़ी संख्या में रॉकेट और ग्रेनेड लॉन्चर, असॉल्ट राइफल और दूसरे हथियार बरामद किए हैं.पिछले साल माओवादियों के खिलाफ सुरक्षाबलों के अभियान में 287 माओवादी मारे गए.सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इनमें सबसे ज्यादा माओवादियों की मौत छत्तीसगढ़ में हुई थी. दशकों से चले आ रहे नक्सल आंदोलन में अब तक 10,000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है.नक्सली इसे समाज में हाशिए पर मौजूद गरीब लोगों की लड़ाई बताते हैं.माओवादी यहां जमीन, रोजगार और इलाके के प्राकृतिक संसाधनों में स्थानीय लोगों की हिस्सेदारी के लिए हिंसक आंदोलन चला रहे हैं.लाल गलियाराभारत के पूर्वी और दक्षिण हिस्से में उन्होंने काफी अंदर तक समुदायों में अपनी पहुंच बना ली है.21वीं सदी के पहले दशक में खासतौर से उनकी ताकत बहुत तेजी से बढ़ी और इसके साथ ही हिंसा और समस्या की गंभीरता और बढ़ती चली गई.जब यह आंदोलन अपने शीर्ष पर था तब माना जाता है कि विद्रोहियों की संख्या15-20 हजार तक पहुंच गई थी, माना जाता है कि छत्तीसगढ़ में कुल मिलाकर सक्रिय माओवादियों की संख्या अब 3-4 हजार तक रह गई है.भारत के करीब एक तिहाई जिलों के बराबर की जमीन पर ये सक्रिय थे.इनकी प्रभाव वाले इलाके को लाल गलियारा के नाम से जाना जाता था.छत्तीसगढ़: मुठभेड़ में मारा गया एक करोड़ का इनामी नक्सली जयरामबीते सालों में भारत सरकार ने दसियों हजार सुरक्षाबलों को इस लाल गलियारे में तैनात किया है.जगह जगह पुलिस थाने बनाए गए हैं और इनके खिलाफ कार्रवाई के साथ ही स्थानीय स्तर पर विकास के कामों में भी तेजी आई है. सड़क, बिजली और स्वास्थ्य केंद्रों के साथ ही सुरक्षाबलों की मौजूदगी ने स्थानीय लोगों को इनके प्रभाव क्षेत्रों से बाहर निकाला है.सुरक्षाबलों की कार्रवाई में सैकड़ों माओवादियों की मौत हुई है और इनके प्रभाव क्षेत्र बीते सालों में काफी सिमटा है.बहुत से इलाकों में लोगों नेचुनावों में हिस्सा लेकर वहां राजनीतिक प्रक्रिया को भी मजबूत करने में योगदान दिया है.गृहमंत्री की डेडलाइनगृहमंत्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक नक्सलियों का पूरी तरह सफाया करने की बात कही है और इसके लिए बीते कुछ सालों में सुरक्षाबलों का अभियान तेज किया गया है.स्थानीय पत्रकार और लंबे समय से नक्सल आंदोलन को कवर कर रहे नरेश मिश्रा बताते हैं कि सरकारी अभियानों का काफी असर हुआ है.उन्होंने डीडब्ल्यू से कहा, अब इसे भय कहिए या फिर सरकार के प्रति भरोसा लेकिन स्थानीय लोग भी नक्सलियों के प्रभाव से कुछ मुक्त हुए हैं.पुलिस से भी उन्हें सहयोग मिल रहा हैबीते ढाई सालों में ही छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों के 40 से ज्यादा कैंप स्थापित किए गए हैं.इनकी वजह से स्थानीय लोगों में सुरक्षा का अहसास बढ़ा और नक्सलियों का प्रभाव सिमटा है.सुरक्षाबलों की कार्रवाई के चलते इलाके की अर्थव्यवस्था पर भी जो माओवादियों का नियंत्रण था वह भी अब खत्म हो चुका है.पुलिस यह सुनिश्चित करती है कि उनके बाजार लगें और लोगों के रोजमर्रा के जरूरी काम सामान्य रूप से चलते रहें. मिश्रा ने बताया, सुकमा, नारायणपुर और बीजापुर इन तीन जिलों में ही नक्सलियों का अब ज्यादा प्रभाव है, बाकी कांकेर, दंतेवाड़ा, गरियाबंद और राजनंदगांव में उनका कुछ असर है जबकि कोंडागांव और बस्तर उनके प्रभाव से पूरी तरह मुक्त हो चुके हैं उन्होंने यह भी कहा कि बीते वर्षों फेक इनकाउंटर जैसी घटनाओं में कमी आई है और पुलिस अभियानों में मरने वाले ज्यादातर लोग हार्डकोर नक्सली हैं, यह बात तो अब माओवादी कैडर भी मान रहे हैं कि पुलिस का निशाना बने लोग नक्सली ही हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरी बार सत्ता संभालने के बाद माओवादियों के खिलाफ सरकार की कार्रवाई में और तेजी आई है.इस साल अब तक 110 से ज्यादा माओवादी मारे जा चुके हैं.इसी महीने दो अलग अलग मुठभेड़ों में 30 माओवादियों की मौत हुई.इससे पहले फरवरी में भी एक ही दिन 32 माओवादी सुरक्षाबलों की कार्रवाई में मारे गए.माओवादियों के हमले में सुरक्षाबलों ने भी नुकसान उठाया है.जनवरी में सड़क किनारे हुए एक बम धमाके में सुरक्षाबल के 9 जवानों की मौत हुई थी.इसी तरह 2010 में छत्तीसगढ़के जंगल में घात लगा करके किए हमले में 76 अर्धसैनिक बल के जवानों की मौत हुई थी.यह भारतीय सुरक्षाबलों की माओवादियों के किसी एक हमले में हुई अब तक की सबसे ज्यादा सुरक्षाबलों की मौत की संख्या है.

केरल यूनिवर्सिटी के फैकल्टी मेंबर के पास से एमबीए की आंसर शीट गायब, मचा भारी बवाल

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। केरल यूनिवर्सिटी के एक फैकल्टी मेंबर के पास से 71 एमबीए छात्रों की उत्तर पुस्तिकाएं गायब हो गईं। इसे लेकर राज्य में विवाद पैदा हो गया है। विपक्षी दल संयुक्त लोकतंत्रिक मोर्चा ने इसे उच्च शिक्षा क्षेत्र में कुप्रबंधन और राजनीतिकरण का उदाहरण बताया है। वर्ष 2022-24 बैच की तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा से प्रोजेक्ट फाइनेंस विषय की उत्तर पुस्तिकाएं गायब हैं, जो महीनों पहले जांच के लिए संकाय सदस्य को सौंपी गई थीं। विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने शनिवार को विश्वविद्यालय पर सिलेबस पूरा होने के बाद भी नतीजे में देरी करके मामले को छुपाने का आरोप लगाया। आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए उच्च शिक्षा मंत्री आर बिंदु ने स्वीकार किया कि संकाय सदस्य का कृत्य घोर लापरवाही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करेगी। उन्होंने शनिवार को मीडिया से कहा, 'सरकार इस मामले को पूरी गंभीरता से ले रही है। विश्वविद्यालय इस मुद्दे को राज्य पुलिस प्रमुख के समक्ष उठाएगा।' मंत्री ने कहा कि उत्तर पुस्तिकाओं का गायब होना सुनियोजित कदम का हिस्सा हो सकता है। बिंदु ने कहा, 'संकाय सदस्य पूरे समय चुप रहे, जो उनकी ओर से गंभीर चूक का संकेत है।'

राजनीतिकरण से शिक्षा क्षेत्र को नुकसान : सतीशन ने एक बयान में आरोप लगाया कि उत्तर पुस्तिकाओं का गायब होना इस बात का एक और उदाहरण है कि किस तरह सरकार के कुप्रबंधन और राजनीतिकरण ने उच्च शिक्षा क्षेत्र को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि उत्तर पुस्तिकाओं के गायब हो जाने के कारण छात्रों का भविष्य अनिश्चित हो गया है। विपक्ष के नेता ने कहा, विश्वविद्यालय ने अब छात्रों से 10 महीने पहले आयोजित की गई परीक्षा दोबारा देने को कहा है। विश्वविद्यालय की ओर से की गई गलती के लिए छात्रों को दंडित करना अस्वीकार्य है।

अब उठ रहे तमाम तरह के सवाल : यह घटना तब सामने में आई, जब पलक्कड़ निवासी एक संकाय सदस्य ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों को बताया कि बाइक से यात्रा के दौरान उत्तर पुस्तिकाएं उसके पास से गायब हो गई थीं। विवाद बढ़ने पर संकाय सदस्य प्रमोद ने शनिवार को विश्वविद्यालय की उस प्रथा को दोषी ठहराया, जिसमें शिक्षकों को घर से उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने की अनुमति दी गई है। उन्होंने एक टीवी चैनल से कहा, 'मैं इस मुद्दे पर कानूनी रूप से लड़ने के लिए तैयार हूं।'

खूबसूरत होगा नजारा, जब दुनिया के सबसे ऊंचे रेल ब्रिज से गुजरेगी वंदे भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में अब तक लगभग सभी राज्यों को उनकी वंदे भारत ट्रेनें मिल चुकी है। जम्मू के कटरा तक भी एक वंदे भारत ट्रेन जाती है, लेकिन कश्मीर तक अब तक ट्रेन रूट न होने की वजह से वहां तक इस ट्रेन की पहुंच नहीं हो सकी थी। लेकिन अब कश्मीर तक ट्रेन रूट बन जाने की वजह से एक नई वंदे भारत लॉन्च होने जा रही है। यह ट्रेन रियासी सेक्टर में चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज से भी गुजरेगी। यह ब्रिज 1315 मीटर लंबा है और नदी तल से 359 मीटर ऊपर है। इस पुल पर वंदे भारत 19 अप्रैल से चलेगी। पीएम मोदी 19 अप्रैल को ट्रेन की लॉन्चिंग करेंगे। चिनाब नदी पर इस रेलवे ब्रिज की ऊंचाई पेरिस के एफिल टावर से भी ऊंची है। यह ब्रिज पिछले कई सालों से बन रहा था जोकि हाल ही में पूरा हुआ है। चिनाब नदी पर बने इस ब्रिज पर जब वंदे भारत गुजरेगी तब वहां से आसपास की खूबसूरती देखते ही बनेगी। इससे घाटी तक ट्रेन के जरिए आम लोगों की पहुंच मुमकिन हो गई है। श्रीनगर तक चलने वाली वंदे भारत को 19 अप्रैल को पीएम मोदी हरी झंडी दिखाएंगे। यह ट्रेन जम्मू से श्रीनगर के बीच चलेगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं जम्मू कश्मीर के पूर्व उप-मुख्यमंत्री कविंदर गुप्ता ने भाजपा मुख्यालय में आयोजित में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 19 अप्रैल को बहुप्रतीक्षित ट्रेन को हरी झंडी दिखाने वाले हैं, जो कनेक्टिविटी के एक नये युग की शुरुआत करेगी और न केवल यात्रा सुविधा को बढ़ायेगी बल्कि जम्मू-कश्मीर में व्यापार, उद्योग तथा रोजगार को बढ़ावा देगी। उन्होंने इस उपलब्धि को ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया, जो क्षेत्र में पर्यटन और आर्थिक विकास के लिए नये रास्ते खोलेगा।

272 किलोमीटर लंबा है प्रोजेक्ट : पीएम मोदी जम्मू रेल डिविजन के कटरा रेलवे स्टेशन से वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। हाल ही में पूरी तरह से बनकर तैयार हुआ उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक प्रोजेक्ट 272 किलोमीटर लंबा है। यह कई ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों के बीच से सुरंग के जरिए बनाया गया है।

पंजाब सरकार ने बिजली की दरें घटाई 600 यूनिट मुफ्त बिजली का वादा पूरा

अमृतसर, एजेंसी। पंजाब सरकार के बिजली मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने शनिवार को अमृतसर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने बिजली दरों में कमी कर उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी है। हरभजन सिंह ईटीओ ने बताया कि नई टैरिफ दरें 1 अप्रैल 2025 से लागू होंगी, जिसमें बिजली की दरों को कम किया गया है। इसके साथ ही एक करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं पर कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं बढ़ाया गया है। मंत्री ने कहा, पंजाब सरकार लंबे समय से लोगों के हित में फैसले ले रही है ताकि बिजली उपभोक्ताओं को कोई परेशानी न हो।

पिछले तीन वर्षों से राज्य के लोगों को 600 यूनिट मुफ्त बिजली दी जा रही है, जो आम आदमी पार्टी सरकार का जनता से किया गया वादा था और इसे पूरा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बिजली की कमी को दूर करने के लिए सरकार ने गोइंदवाल में एक बड़ा थर्मल पावर प्लांट भी खरीदा है। हरभजन सिंह ईटीओ ने कहा कि 2025-26 के लिए नई टैरिफ दरों में वाणिज्यिक कनेक्शनों की दरें कम की गई हैं और उद्योगपतियों को 10 रुपये प्रति किलोवाट की कटौती का लाभ दिया गया है। उन्होंने कहा, बिजली विभाग को 311.5 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है, जिसके चलते हमने टैरिफ दरों में कमी की है। उन्होंने पंजाब सरकार के हालिया बजट को लोकहितैषी और सराहनीय कदम करार देते हुए कहा कि पिछले तीन साल में सरकार ने बेहतरीन काम किया है और अगले दो साल में यह गति और तेज होगी। मंत्री ने जोर देकर कहा कि पंजाब सरकार लोगों की भलाई के लिए प्रतिबद्ध है और बिजली दरों में कमी इसका एक बड़ा उदाहरण है। पंजाब सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बिजली दरों में कटौती की घोषणा की है, जिसे भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी सरकार द्वारा राज्य के लोगों के लिए एक तोहफे के रूप में पेश किया जा रहा है। इस घोषणा से पंजाब के घरेलू, वाणिज्यिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं को राहत मिलने की उम्मीद है।

कांग्रेस का बिहार पर फोकस ! राहुल गांधी का पटना दौरा, ओबीसी, अति पिछड़ों को लुभाने की कोशिश

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस एक्टिव हो गई है. इन सबके बीच लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 7 अप्रैल को पटना का दौरा करेंगे. यहां वे संविधान बचाओ सम्मेलन में शामिल होंगे। बता दें कि, कांग्रेस नेता राहुल गांधी तेलंगाना जाति जनगणना मॉडल के साथ-साथ दलित मुद्दों पर निरंतर अभियान चलाकर पिछड़ों को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं. अब वे बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए पिछड़ों को लुभाने की दिशा में काम कर रहे हैं. बिहार का पिछड़ा वर्ग सत्तारूढ़ जेडीयू और विपक्षी आरजेडी के बीच बंटा हुआ था, लेकिन अति पिछड़े वर्ग जेडीयू का ही समर्थन कर रहे थे। राहुल गांधी इस समीकरण को बदलने की योजना पर काम कर रहे हैं और वे अहमदाबाद में दो दिवसीय एआईसीसी सत्र से एक दिन पहले 7 अप्रैल को पटना में एक और संविधान बचाओ सम्मेलन में भाग लेंगे. पूर्व पार्टी अध्यक्ष ने 18 जनवरी और 19 फरवरी को शहर में इसी तरह के सम्मेलनों को संबोधित किया था, जहां उन्होंने कहा था कि, नीतीश कुमार सरकार का पिछला जाति सर्वे सही नहीं था. कांग्रेस अब बिहार के मतदाताओं से कह रही है कि अगर कांग्रेस गठबंधन सत्ता में आता है तो वह तेलंगाना की तर्ज पर एक नया जाति सर्वेक्षण कराएगी, जिसने हाल ही में सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में पिछड़ों को 42 प्रतिशत कोटा देने का विधेयक लाया है।

राहुल पिछले कुछ सालों से ओबीसी पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं. राहुल गांधी कह रहे हैं कि वह राष्ट्रीय जाति जनगणना के पक्ष में हैं, जिससे सही तस्वीर सामने आएगी. इस पर बिहार कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष अशोक कुमार ने ईटीवी भारत से कहा कि, ओबीसी के कुछ वर्ग कांग्रेस का समर्थन कर रही है लेकिन पार्टी अति पिछड़ों का समर्थन भी हासिल करना चाहती है. बिहार में अति पिछड़ा वर्ग जेडी-यू का समर्थन कर रही है लेकिन कांग्रेस को लगता है कि पार्टी उन्हें मना लेगी. पटना में 7 अप्रैल का सम्मेलन उस लक्ष्य की दिशा में एक और प्रयास है। अशोक कुमार ने कहा कि, कांग्रेस नेता राहुल गांधी एक एनजीओ की तरफ से आयोजित सेमिनार में भाग लेंगे. इस सम्मेलन का विषय पहले के कार्यक्रमों जैसा ही रहेगा, जिसमें दलितों की रक्षा करने वाले संविधान को बचाने की आवश्यकता पर चर्चा की जाएगी. उन्होंने कहा, अगर हमारा गठबंधन सत्ता में आता है तो हम राज्य में एक नया जाति सर्वेक्षण कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं. हम मतदाताओं को यह बता रहे हैं और समूहों को संगठित करने के लिए संदेश देना जारी रखेंगे। अति पिछड़ों पर अपना ध्यान केंद्रित करते हुए, राहुल ने हाल ही में दलित विधायक राजेश कुमार को नए राज्य इकाई प्रमुख के रूप में नामित किया. राजेश कुमार अब अपने समुदाय के 20 प्रतिशत मतदाताओं को कांग्रेस की तरफ लाने की कोशिश कर रहे हैं. हाल ही में राहुल ने पिछड़ों और अति पिछड़ों से संबंधित मुद्दों पर जाने-माने शिक्षाविद, अर्थशास्त्री प्रोफेसर थोराट के साथ भी चर्चा की, जो तेलंगाना में जाति जनगणना का अध्ययन करने वाले पैनल के सदस्य थे। मध्य प्रदेश के प्रभारी एआईसीसी सचिव चंदन यादव ने कहा, मतदाताओं के सामने सामाजिक असमानता लाने के लिए जाति जनगणना की आवश्यकता है. जो इसके खिलाफ हैं, वे ऐसा नहीं होने देना चाहते हैं. लेकिन यह बीआर अंबेडकर का सपना था, जिन्होंने संविधान बनाया.... हम इस लड़ाई को आगे बढ़ाएंगे। यादव ने हाल ही में पटना में ओबीसी पदाधिकारियों की एक बैठक में भाग लिया और बेलदौर विधानसभा सीट क्षेत्र में पार्टी के संविधान बचाओ पैदल मार्च में शामिल हुए. उन्होंने कहा, यह यात्रा का दूसरा चरण था। कांग्रेस संविधान को बचाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसे भाजपा कमजोर कर रही है. इस मुद्दे को मतदाताओं को समझाने की जरूरत है।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा कैश कांड की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करना खतरनाक ट्रेंड: कपिल सिब्बल

नईदिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा सदस्य और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा जस्टिस यशवंत वर्मा के घर से बरामद जले हुए कैश के मामले में आंतरिक जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक करने को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। सिब्बल ने इसे खतरनाक उदाहरण करार दिया और कहा कि इस तरह की कार्रवाइयों से संस्थान की प्रतिष्ठा को नुकसान हो सकता है। आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने 22 मार्च को पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शील नागू, हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जी एस संधवाला और कर्नाटक हाईकोर्ट की न्यायाधीश अनु शिवरामन की तीन सदस्यीय समिति का गठन किया, जो जस्टिस वर्मा के मामले की जांच करेगी। इसके अलावा, दिल्ली हाईकोर्ट की आंतरिक जांच रिपोर्ट को भी सार्वजनिक किया गया जिसमें वीडियो और तस्वीरें भी शामिल हैं, जिन्हें दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा ने दिल्ली के मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय के साथ शेयर किया था। सिब्बल ने कहा, यह उनके विवेक पर निर्भर करता है। यह सही था या गलत, यह समय ही बताएगा।

दस्तावेज का स्रोत खुद कोर्ट है और फिर लोग इसे सही मानने लगते हैं। मेरे अनुसार यह एक खतरनाक उदाहरण है। संस्थागत प्रतिक्रिया एक ऐसा तंत्र होना चाहिए जो संस्थान को यह लिखित रूप में बताना चाहिए कि क्या किया जाना चाहिए। सिब्बल ने आगे कहा, ईमानदारी से कहूं तो यह बात बार के साथ परामर्श करके तय की जानी चाहिए। हम जितना न्यायाधीशों के बारे में जानते हैं वे भी उतना ही जानते हैं। ऐसी बातों पर चर्चा करने के लिए एक व्यापक समिति होनी चाहिए और फिर उन मुद्दों को हल करने के लिए एक तंत्र होना चाहिए। अगर आप ये चीजें सार्वजनिक डोमेन में डाल देंगे तो संस्थान पहले ही हार चुका है। जस्टिस वर्मा के मामले पर सिब्बल ने कहा, जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती मुझे नहीं लगता कि भारत का कोई जिम्मेदार नागरिक इस पर टिप्पणी करना चाहिए। जस्टिस वर्मा को दोषी मानकर बार को भी हड़ताल नहीं करना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि इस देश में यह सिद्धांत बना रहेगा कि जब तक किसी को दोषी नहीं ठहराया जाता तब तक उसे निर्दोष माना जाएगा। इस मामले में तो जांच भी पूरी नहीं हुई है। हालांकि सिब्बल ने यह भी कहा कि इस तरह के मामलों पर संस्थागत प्रतिक्रिया आवश्यक है और इसे लागू करने के लिए तंत्र की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा, न्यायपालिका से जुड़े मुद्दे बहुत गंभीर हैं। तीन प्रकार की समस्याएं हैं। एक तो वित्तीय भ्रष्टाचार है। उसे संभालने के लिए कोई तंत्र नहीं है। फिर यौन दुर्व्यवहार के आरोप हैं। तीसरी समस्या यह है कि कुछ न्यायाधीश खुले तौर पर राजनीतिक विचारधारा से जुड़े हुए हैं। यह जस्टिस अभिजीत गांगोपाध्याय और जस्टिस शेखर यादव के मामलों में देखा जा सकता है। वर्षों से न्यायपालिका इन मुद्दों का संस्थागत रूप से उत्तर नहीं दे रही है और यह बहुत चिंताजनक है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री ने 7,800 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ शनिवार को यहां रोजगार उत्सव एवं युवा सम्मेलन का उद्घाटन किया और नौकरी के इच्छुक 7,800 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। राज्यभर के विभिन्न जिलों से प्रतिभागियों ने व्यक्तिगत और ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम में हिस्सा लिया। शर्मा ने मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान की भी शुरुआत की तथा एआई अधिनियम, छात्र उपस्थिति ऐप, ऑन डिमांड परीक्षा (ओपन स्कूल), कौशल नीति, युवा नीति, रोजगार के लिए 10,000 रुपये की सहायता योजना के निर्देश तथा अटल ज्ञान केंद्र पर एक पुस्तिका का विमोचन किया। जयपुर में वर्ष 2008 में हुए विस्फोट के पीड़ित की बेटी अनाक्षी जायसवाल को जयपुर के जिलाधिकारी के कार्यालय में कनिष्ठ सहायक के पद पर नियुक्त किया गया और उन्हें नियुक्ति पत्र भी सौंपा गया। शर्मा ने इस मौके पर कहा कि राज्य सरकार एक वर्ष में एक लाख नौकरियां उपलब्ध कराने के अपने घोषणा पत्र के साथ आगे बढ़ रही है, जिसमें से 67,000 नौकरियां पहले ही प्रदान की जा चुकी हैं।

दादा और पिता के बाद बेटी 5वीं बार नेशनल चैंपियन बनीं

एक परिवार की 3 पीढ़ियां बॉक्सिंग चैंपियन

भिवानी, एजेंसी। हरियाणा के जिला भिवानी में एक ही परिवार की तीन पीढ़ियों ने बॉक्सिंग को इंटरनेशनल चैंपियन दिए हैं। भिवानी में बॉक्सिंग की शुरुआत करने वाले व बॉक्सिंग के लिए भिवानी को प्रसिद्ध करने वाले कैप्टन हवा सिंह की पोती 5वीं बार नेशनल चैंपियन बनी हैं। नुपुर ने 21 से 27 मार्च तक नोएडा में हुई चैंपियनशिप में 81 प्लस कैटेगरी में मुकाबला खेला था।

बता दें कि कैप्टन हवा सिंह ने 1966 व 1970 में दो बार एशियन खेलों में गोल्ड मेडल जीते थे। साल 1961 से 1972 तक उन्होंने लगातार 11 बार हैवीवेट वर्ग में राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीती। उन्होंने बॉक्सिंग छोड़ने के बाद कई बॉक्सर तैयार किए। वहीं कैप्टन हवासिंह को अर्जुन अवॉर्ड व द्रोणाचार्य अवॉर्ड भी मिले हैं। कैप्टन हवासिंह के बेटे संजय श्योराण भी इंटरनेशनल चैंपियन रह चुके हैं। उन्होंने एशियन खेलों में मेडल जीता था। सरकार ने उन्हें भीम अवॉर्ड से सम्मानित भी किया है।

फिलहाल वे गुरु द्रोणाचार्य कैप्टन हवा सिंह बॉक्सिंग अकादमी में कोचिंग दे रहे हैं। वहीं संजय श्योराण की पत्नी मुकेश रानी भी बास्केटबॉल की खिलाड़ी रही हैं और एशियाई चैंपियनशिप में पदक विजेता हैं। संजय श्योराण के 2 बच्चे हैं। जिनमें बड़ी बेटी नूपुर श्योराण बॉक्सिंग के साथ-साथ पढ़ाई कर रही हैं। वह अब यूपीएससीकी भी तैयारी कर रही हैं। पहले वह वर्ल्ड चैंपियनशिप 2023 में भी खेलीं, लेकिन 5वें नंबर पर रहीं।

खेलों इंडिया: अपनी लगन और प्रतिभा से सबको हैरान किया

मन की बात में दिव्यांग खिलाड़ियों को PM मोदी का संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री मोदी ने फिटनेस पर भी बात की। साथ ही खेलो इंडिया पैरा गेम्स के खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। पीएम ने सभी को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम के 120वें एपिसोड में खेल और खिलाड़ियों से जुड़ी बातें भी कीं। उन्होंने हाल ही में हुए खेलो इंडिया पैरा गेम्स को लेकर बातचीत की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, कुछ ही दिन पहले संपन्न हुए खेलो इंडिया पैरा गेम्स में एक बार फिर खिलाड़ियों ने अपनी लगन और प्रतिभा से सबको हैरान कर दिया। इस बार पहले से ज्यादा खिलाड़ियों ने इन खेलों में हिस्सा लिया। इससे पता चलता है कि पैरा स्पोर्ट्स कितना चर्चित हो रहा है।

पीएम मोदी ने इन राज्यों को दी बधाई

पीएम मोदी ने कहा, मैं खेलो इंडिया पैरा गेम्स में हिस्सा लेने वाले सभी दिव्यांग खिलाड़ियों को उनके शानदार प्रयासों के लिए बधाई देता हूं। हरियाणा, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों को पहला, दूसरा और तीसरा स्थान हासिल करने के लिए शुभकामनाएं देता हूं। इन खेलों के दौरान हमारे दिव्यांग खिलाड़ियों ने 18 राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाए। जिनमें से 12 तो हमारी महिला खिलाड़ियों के नाम रहे।

पीएम मोदी ने फिटनेस पर भी की बात

प्रधानमंत्री मोदी ने फिटनेस पर भी बात की। उन्होंने दिल्ली में हुए एक आयोजन का जिक्र करते हुए कहा, दिल्ली में एक भव्य आयोजन ने लोगों को बहुत प्रेरणा दी है, जोश से भर दिया है। एक इनोवेटिव आइडिया के रूप में पहली बार फिट इंडिया कार्निवाल का आयोजन किया गया। इसमें अलग अलग क्षेत्रों के करीब 25 हजार लोगों ने हिस्सा लिया। इन सभी का एक ही लक्ष्य था- फिट रहना और फिटनेस को लेकर जागरूकता फैलाना।

स्वदेशी खेलों को भी मिल रहा बढ़ावा

पीएम मोदी ने कहा, हमारे स्वदेशी खेल अब लोकप्रिय संस्कृति के रूप में घुल मिल रहे हैं। मशहूर रैपर हनुमानकाइंड को तो आप सभी जानते ही होंगे। आजकल उनका नया गाना रन इट अप, काफी चर्चा में है। इसमें कलारिपयट्टू, गतका और थांग-ता जैसी हमारी पारंपरिक मार्शल आर्ट्स को शामिल किया गया है।

डब्ल्यूटीटी के अंतिम-16 मैच में हार के साथ शरत कमल ने पेशेवर टीटी करियर को कहा अलविदा, हुए भावुक

चेन्नई, एजेंसी। शरत राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के सबसे सफल एथलीट्स के मामले में तीसरे स्थान पर हैं। उनसे ज्यादा सिर्फ जसपाल राणा (शूटिंग) और समरेश जंग (शूटिंग) ने पदक जीते हैं। दिग्गज टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल का शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर शनिवार को डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर फाइनल में हमवतन स्नेहित सुरवज्जुला से हारने के साथ खत्म हो गया। शरत के खिलाफ वाइल्ड कार्ड धारक स्नेहित ने लगातार तीन गेम में 11-9, 11-8, 11-9 से जीत दर्ज की।

शरत कमल ने क्या कहा?

शरत ने बाद में मिस्र के उमर अस्सार के खिलाफ एक प्रदर्शनी मैच खेला जिसमें दर्शकों को उनके असाधारण कौशल की एक और झलक देखने को मिली। शरत ने अपने विदाई संबोधन में कहा, कहीं ना कहीं मुझे लगा कि यह काफी है और मैं कोर्ट के दूसरी तरफ से खेल को कुछ वापस देने की संभावना तलाशना चाहता था। 42 वर्षीय शरत ने कहा कि वह प्रशासनिक भूमिका निभाना चाहेंगे। उन्होंने कहा, मैंने एक खिलाड़ी के तौर पर अपना काम कर दिया है, मुझे लगता है कि मैंने एक खिलाड़ी के तौर पर देश के लिए काफी योगदान दिया है और मैं एक प्रशासक, या एक कोच, एक मेंटर या फिर एक वरिष्ठ खिलाड़ी के तौर पर भी योगदान देना चाहता हूं।

शरत कमल ने 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में टेबल टेनिस के पुरुष एकल में 16 साल बाद स्वर्ण जीता था। इससे पहले उन्होंने 2006 में पुरुष एकल में स्वर्ण जीता था। शरत का यह राष्ट्रमंडल खेलों में कुल सातवां स्वर्ण पदक रहा था।

बर्मिंघम में तीन स्वर्ण के अलावा शरत ने 2006 में पुरुष एकल और पुरुष टीम इवेंट में स्वर्ण, 2010 में पुरुष युगल में स्वर्ण और 2018 में पुरुष टीम इवेंट में स्वर्ण जीता था। इसके अलावा वह 2010 में दो कांस्य, 2014 और 2018 में एक-एक रजत और 2022 में एक रजत जीत चुके हैं। शरत ने राष्ट्रमंडल खेलों में कुल 13 पदक जीते हैं।

शरत राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के सबसे सफल एथलीट्स के मामले में तीसरे स्थान पर हैं। उनसे ज्यादा सिर्फ जसपाल राणा (शूटिंग) और समरेश जंग (शूटिंग) ने पदक जीते हैं। जसपाल के नाम राष्ट्रमंडल खेलों में 15 पदक (9 स्वर्ण) और समरेश के नाम 14 पदक (7 स्वर्ण) हैं। राष्ट्रमंडल खेलों के अलावा शरत एशियन गेम्स में दो पदक जीत चुके हैं। 2018 में जकार्ता एशियन गेम्स में मेन्स टीम और मिक्स्ड डबल्स इवेंट में शरत कमल ने कांस्य जीता था। इसके अलावा वह एशियन चैंपियनशिप्स में दो कांस्य भी जीत चुके हैं। 2021 दोहा एशियन चैंपियनशिप्स में कांस्य जीता था।

गिल के फैसले ने सभी को चौंकाया

आईपीएल में राशिद खान के साथ पहली बार किसी कप्तान ने किया ऐसा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस ने जीत का खाता खोल लिया है. 29 मार्च को मुंबई के खिलाफ खेले गए मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने 36 रनों से बाजी मारी. ये मैच गुजरात के गेंदबाजों के नाम रहा, जिन्होंने काफी किफायती गेंदबाजी की और टारगेट को डिफेंड किया. हालांकि, इस मुकाबले के दौरान गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने एक ऐसा फैसला लिया, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया. उन्होंने अपने सबसे अहम गेंदबाज राशिद खान का इस मैच में काफी कम इस्तेमाल किया. राशिद खान टी20 के काफी सफल विकेट टेकिंग गेंदबाज हैं. उनके 4 ओवर सामने वाली टीम के लिए किसी आफत से कम नहीं होते हैं. लेकिन इस मुकाबले में एक अलग ही नजारा देखने को मिला. दरअसल, गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने कुल 6 गेंदबाजों का इस्तेमाल किया. जिसमें राशिद खान का नाम भी शामिल था. मगर, उन्हें 20 ओवर के मैच में सिर्फ 2 ओवर ही गेंदबाजी करने का मौका मिला. इस दौरान राशिद खान ने 5 की इकॉनमी से 10 रन खर्च किए और कोई भी विकेट हासिल नहीं किया.

राशिद खान का आईपीएल करियर

राशिद खान ने साल 2017 में सनराइजर्स हैदराबाद से साथ अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी और 2022 में गुजरात टाइटंस का हिस्सा बने थे. इस दौरान वह कुल 123 मैच खेल चुके हैं. इस मैचों में उन्होंने 6.86 की इकॉनमी से 150 विकेट लिए हैं. वहीं, बतौर बल्लेबाज उन्होंने 551 रन भी बनाए हैं, जिसमें कुछ मैच विनिंग पारियां भी हैं. इसके अलावा वह अपने करियर में अभी तक 464 टी20 मैच खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने 635 विकेट लिए हैं.

बता दें, राशिद खान साल 2017 से आईपीएल में खेल रहे हैं. इस दौरान वह कई खिलाड़ियों की कप्तानी में खेल चुके हैं. लेकिन उनके आईपीएल करियर में ये पहला मौका था जब किसी पारी में पूरे 20 ओवर फेंके गए हों और उन्हें 4 ओवर गेंदबाजी करना का मौका नहीं मिला. इससे पहले उन्होंने हर बार अपने कोटे के 4 ओवर फेंके थे. हालांकि, गिल का ये फैसला टीम के काम आया और वह इस मैच को अपने नाम करने में कामयाब रहे.

हार्दिक पांड्या को लगा झटका, एक गलती से 12 लाख रुपए की चपत लगी

अहमदाबाद, एजेंसी। मुंबई इंडियन्स के कप्तान हार्दिक पांड्या पर गुजरात टाइटंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मैच में उनकी टीम की धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियन्स को शनिवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टाइटंस के खिलाफ 36 रन से हार का सामना करना पड़ा। आईपीएल ने रविवार को एक बयान में कहा, 'मुंबई इंडियन्स के कप्तान हार्दिक पंड्या पर अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के नौवें मैच के दौरान उनकी टीम द्वारा धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए जुर्माना लगाया गया है। बयान के अनुसार, 'यह आईपीएल की आचार संहिता के न्यूनतम ओवर गति से जुड़े अपराधों से संबंधित नियम 2.2 के तहत उनकी टीम का सत्र का पहला अपराध था इसलिए पंड्या पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अहमदाबाद की काली मिट्टी वाली पिच पर 196 रन बनाए। मुंबई इंडियन्स को लक्ष्य का पीछा करते हुए संघर्ष करना पड़ा और अंततः टीम छह विकेट पर 160 रन ही बना सकी। गुजरात ने मौजूदा सत्र में अपनी पहली जीत दर्ज की। यह मुंबई इंडियन्स की लगातार दूसरी हार थी और टीम ने अभी अंकों का खाता नहीं खोला है।

मोहम्मद सिराज ने रोहित शर्मा को बोल्ड किया तो खड़ा हो गया नया विवाद!

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते शनिवार आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटंस का मैच खेला गया. गुजरात ने अपने होम ग्राउंड पर एमआईको 36 रनों से हरा दिया है. मगर गुजरात की इस जीत से ज्यादा रोहित शर्मा का एक पुराना बयान चर्चा में है. दरअसल कप्तान रोहित समेत भारतीय टीम मैनेजमेंट का कहना था कि सिराज पुरानी गेंद से ज्यादा प्रभावी गेंदबाजी नहीं कर पाते. इस कारण सिराज को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के स्क्वाड से बाहर रखा गया था. मगर आईपीएल 2025 के मैच में जब सिराज ने रोहित शर्मा को क्लीन बोल्ड किया तो सोशल मीडिया पर तीखी बहस छिड़ गई है.

रोहित शर्मा क्लीन बोल्ड

मुंबई इंडियंस को 197 रनों का लक्ष्य मिला था. जवाब में मुंबई इंडियंस के लिए रोहित शर्मा और रायन रिकेल्टन ओपनिंग करने आए थे. गुजरात के लिए गेंदबाजी की शुरुआत मोहम्मद सिराज ने की थी. रोहित ने उनके ओवर की दूसरी और तीसरी गेंद पर लगातार 2 चौके लगाए. मगर चौथी गेंद पर हिटमैन चकमा खा गए और क्लीन बोल्ड हो गए. बता दें कि इससे पहले आईपीएल 2025 के अपने शुरुआती मैच में रोहित चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ शून्य के स्कोर पट आउट हो गए थे.

छिड़ गई तीखी बहस, हुआ विवाद

चूंकि रोहित शर्मा ने कहा था कि मोहम्मद सिराज पुरानी गेंद से ज्यादा प्रभावी नहीं हैं. अब उसी गेंदबाज ने रोहित को चारों खाने चित्त करके क्लीन बोल्ड किया है. इस विषय पर सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है. कुछ लोगों का कहना है कि सिराज ने यह विकेट लेकर अपना बदला पूरा किया है. वहीं एक व्यक्ति ने रोहित पर तंज कसते हुए कहा कि रोहित नई गेंद के खिलाफ ज्यादा प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं. आपको याद दिला दें कि आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस के लिए डेब्यू करने से पूर्व एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मोहम्मद सिराज से रोहित शर्मा के बयान के संदर्भ में सवाल पूछा गया था.

गुलवीर सिंह ने अपना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा, 10 हजार मीटर दौड़ में हासिल की उपलब्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। बैंकॉक में 2023 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाले 26 वर्षीय गुलवीर ने पिछले साल दो बार राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। भारत के लंबी दूरी के धावक गुलवीर सिंह ने अमेरिका में विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर के टूर्नामेंट द टेन प्रतियोगिता में 10 हजार मीटर दौड़ में 27 मिनट 00.22 सेकेंड का समय लेकर अपना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। हांगझोउ एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता गुलवीर का पिछला राष्ट्रीय रिकॉर्ड 27 मिनट 14.88 सेकेंड का था जिसे उन्होंने पिछले साल नवंबर में जापान के हाचियोजी में बनाया था।

बैंकॉक में 2023 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाले 26 वर्षीय गुलवीर ने पिछले साल दो बार राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। उन्होंने जापान में इसे बेहतर करने से पहले मार्च में कैलिफोर्निया के सैन जुआन कैपिस्ट्रानो में 27 मिनट 41.81 सेकेंड का समय लिया था। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा, ''गुलवीर सिंह ने 27 मिनट 00.22 सेकेंड का समय लेकर 10 हजार मीटर के अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। वह शनिवार को अमेरिका में द टेन प्रतियोगिता में छठे स्थान पर रहे। उत्तर प्रदेश के रहने वाले गुलवीर ने पिछले साल 13 मिनट 11.82 सेकेंड के साथ 5000 मीटर में भी राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था।

संबल योजना अंतर्गत 10 करोड़ 62 लाख रूपए की अनुग्रह राशि अंतरित

पन्ना

मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) 2.0 योजना अंतर्गत शुक्रवार को पन्ना जिले के 499 प्रकरणों में हितग्राहियों को अनुग्रह राशि का वितरण किया गया। जिला अंतर्गत 10 स्थानीय निकायों में कुल 10 करोड़ 62 लाख रूपए की अनुग्रह राशि प्रदान की गई। पन्ना विकासखण्ड में सामान्य एवं दुर्घटना मृत्यु के क्रमशः 55 एवं 4, शाहनगर विकासखण्ड के 103 एवं 7, गुनौर विकासखण्ड के 61 एवं 10, अजयगढ़ विकासखण्ड के 73 एवं 2 तथा पवई विकासखण्ड के सामान्य एवं दुर्घटना मृत्यु के क्रमशः 149 एवं 9 प्रकरणों में अनुग्रह राशि का वितरण किया गया। इसके अलावा सामान्य मृत्यु प्रकरणों में नगरीय क्षेत्र पन्ना में 9, देवेन्द्रनगर में 6, पवई में 5 तथा अमानगंज एवं अजयगढ़ में 3-3 प्रकरणों में अनुग्रह राशि का वितरण किया गया। योजना अंतर्गत पंजीकृत श्रमिक की सामान्य मृत्यु पर 2 लाख रूपए एवं दुर्घटना में मृत्यु पर 4 लाख रूपए की अनुग्रह सहायता राशि का वितरण किया जाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल स्थित मंत्रालय से श्रमिक परिवारों को अनुग्रह सहायता राशि सिंगल क्लिक के जरिए अंतरित की। इस अवसर पर कलेक्टर कार्यालय के एनआईसी व्हीसी कक्ष में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट भी दिखाया गया। कलेक्टर सुरेश कुमार एवं नपा अध्यक्ष मीना पाण्डेय द्वारा हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी, श्रम निरीक्षक भूपेन्द्र सिंह बंजारा सहित अन्य संबंधित अधिकारी तथा हितग्राही उपस्थित रहे।

टाउन हॉल में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर हुआ प्रशिक्षण

पन्ना

नगर पालिका परिषद पन्ना के तत्वाधान में गत गुरूवार को स्थानीय टाउन हॉल में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर कचरा प्रबंधन कर्मियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण सह क्षमता निर्माण सत्र में जागरूकता और दक्षता बढ़ोत्तरी सहित स्वच्छता कर्मियों की भूमिका और उनके योगदान को समझने, ठोस अपशिष्ट क्या है और इसके प्रकार, इससे संबंधित सरकारी नियम और कानून, मौजूदा कचरा प्रबंधन प्रणाली में चुनौतियां, अनुचित कचरा निपटान के नुकसान, समाधान स्रोत पर कचरे का अलगाव तथा कचरे को सही तरीके से प्रबंधित करने की तकनीकों इत्यादि पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम में स्वच्छता में स्वच्छताकर्मियों के योगदान के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस दौरान खुले में शौचमुक्त, कचरा मुक्त शहर तथा स्वच्छता सर्वेक्षण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी नगर पालिका परिषद, पन्ना द्वारा साझा की गई। मुख्य नगर पालिका अधिकारी शशिकपूर गढ़पाले के निर्देशन में इस प्रशिक्षण में स्वच्छता प्रभारी वीरेन्द्र चौरसिया, स्वच्छता निरीक्षक हरिओम नामदेव, वार्ड सहायकों, चालक, सहायक, सफाई कर्मचारी एवं अन्य स्वच्छता कार्यकर्ताओं सहित कुल 70 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सत्र के अंत में सभी ने पन्ना को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने की शपथ भी ली।

एक राष्ट्र एक चुनाव जनहित में महत्वपूर्ण ऐतिहासिक निर्णय: सुरेश

एक देश एक चुनाव के समर्थन में देवरा भापतपुर पंचायत में किया गया प्रस्ताव पारित

महामहिम राष्ट्रपति को प्रस्ताव पारित कर ज्ञापन के माध्यम से भेजा प्रस्ताव

पन्ना। अजयगढ़ जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत देवरा भापतपुर में एक राष्ट्र एक चुनाव का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया ।पंचायत के सरपंच सुरेश यादव सहित सभी सदस्यों ने प्रस्ताव का समर्थन करते हुए इसे भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को अधिक पारदर्शी प्रभावी और आर्थिक रूप से साधारण बनाने के लिए आवश्यक बताया है ग्राम पंचायत में राष्ट्रपति महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नाम प्रस्ताव भेजने हुए कहा है कि देश में बार-बार होने वाले चुना से प्रशासनिक और आर्थिक संसाधनों पर भारी दबाव पड़ता है इस अवसर पर देवरा भापतपुर में सरपंच सुरेश यादव ने कहा की एक साथ अगर चुनाव होते हैं और नया कानून बनता है तो इससे खर्च की संभावना बहुत कम होगी और इसके प्रति मतदाताओं को जागरूक होना पड़ेगा क्योंकि बार-बार चुनाव होने से आर्थिक स्थिति पर भी बोझ पड़ता है मैं अपनी ओर अपनी पंचायत की राय हस्ताक्षर के माध्यम से भारत की मांहमहिमा राष्ट्रपति महोदया जी को प्रेषित करता हूं। इस अवसर पर पंचायत के लोग भी हस्ताक्षर करने के लिए उत्साहित थे। उन्होंने कहा कि पर एक देश एक चुनाव के, अति आवश्यक है। सरपंच सुरेश यादव ने कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव लागू होने से मतदाता भागीदारी के लिए जागरूकता करनी पड़ेगी चुनावी खर्च में भारी कमी आएगी जिसे सरकारी धन का सदुपयोग हो सकेगा इसके अलावा कर्मचारियों को बार-बार चुनावी कार्य से मुक्त कर प्रशासनिक दक्षता बढ़ाई जा सकेगी ।प्रस्ताव में कहा गया की एक साथ चुनाव होने से न केवल राजनीतिक स्थिति बढ़ेगी बल्कि शासकीय योजनाओं को क्रियान्वयन में भी तेजी आएगी इस फैसले से देश भर में विकास की गति तेज होगी और आम जनता को इसका लाभ सीधे मिल पा सकेगा ।

डायमंड पार्क जनकपुर के लिए 1265.46 लाख रूपए स्वीकृत

पन्ना। खजुराहो सांसद वी.डी. शर्मा के प्रयासों से पन्ना की अमूल्य खनिज संपदा हीरे की तरासी के कार्य को स्थानीय स्तर पर संपन्न किए जाने तथा इसका अधिकतम लाभ क्षेत्र के लोगों को प्रदान करने के उद्देश्य से किए गए प्रयासों के परिणामस्वरूप डायमंड पार्क जनकपुर की स्थापना के लिए 1265.46 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति मिली है। पार्क के लिए जनकपुर में 11 हेक्टेयर भूमि आरक्षित की जा चुकी थी। पूर्व में एमएसएमई विभाग द्वारा डायमंड पार्क की स्थापना की सैद्धांतिक स्वीकृति भी प्रदान की गई थी।

विभाग द्वारा अब जारी की गई राशि से बिटूमन रोड, आरसीसी नाली, ह्यूम पाईप कल्वर्ट, विद्युतीकरण, ट्यूबवेल एवं जल प्रदाय लाइन, ओवर हेड एवं अंडर ग्राउंड वाटर टैंक, वॉटर हार्वेस्टिंग एवं साइन इत्यादि का कार्य प्रारंभ किया जाएगा। सांसद श्री शर्मा द्वारा इस सौगात के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य कुमार कश्यप का आभार ज्ञापित किया गया है। उद्योग से जुड़े व्यापारियों ने भी इस सौगात के लिए हर्ष जताया।

ई-दक्ष केंद्र में सुशासन विषय पर हुआ अधिकारियों का प्रशिक्षण

पन्ना। भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत मंत्रालय दिल्ली के सहयोग एवं प्रशासनिक अकादमी भोपाल द्वारा स्थापित सर्वोत्तम प्रकोष्ठ के अंतर्गत नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से संयुक्त कलेक्ट्रेट कार्यालय में स्थापित ई-दक्ष केंद्र में विभिन्न विभागों के अधिकारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। 27 एवं 28 मार्च को आयोजित प्रशिक्षण में सुशासन विषय पर केन्द्रित लोक सेवा गारंटी एक्ट, सीएम हेल्पलाइन, सीपी ग्राम एवं शिकायत निवारण प्रणाली के लिए सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग के बारे में बताया गया। प्रशिक्षण लोकसेवा प्रबंधन विभाग के जिला प्रबंधक पंकज शिवहरे एवं ई-दक्ष केंद्र के वरिष्ठ प्रशिक्षक वैभव सोनी द्वारा दिया गया।

प्रशिक्षकों द्वारा संबंधित विभाग के अधिकारियों को लोक सेवा गारंटी एक्ट के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही नागरिकों को समय सीमा

के भीतर सेवाओं के प्रदान करने तथा समाधान ऑनलाइन जैसे विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के संतुष्टिपूर्ण, गुणवत्तापूर्वक एवं त्वरित निराकरण के बारे में भी अवगत कराया गया। प्रशिक्षण के समापन पर सभी प्रशिक्षणार्थियों को जिला कमांड कंट्रोल सेंटर की विजिट भी कराई गई, जिसमें कॉल सेंटर से संबंधित प्रणाली के बारे में समझाया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य संबंधितों को कार्यालयीन कार्य प्रणाली में सुशासन के महत्व हेतु प्रेरित करना था, जिसका लाभ सभी आम नागरिकों को मिल सके।

आम नागरिकों की सहभागिता से तैयार होगा विकसित मध्यप्रदेश का विजन डॉक्यूमेंट

पन्ना। म.प्र. राज्य नीति आयोग द्वारा आम नागरिकों की सहभागिता से विकसित मध्यप्रदेश 2047 के निर्माण के लिए कार्ययोजना तैयार की गई है। शासन द्वारा प्रदेश के सर्वांगीण और समावेशी विकास की दिशा में अग्रसर होने एवं वर्ष 2047 तक विकसित भारत के साथ-साथ मध्यप्रदेश को भी विकसित राज्य बनाने के उद्देश्य से विकसित मध्यप्रदेश का विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समावेशी विकास को गति देने और नागरिकों की आकांक्षाओं को नीति निर्माण में शामिल करने के उद्देश्य से नागरिक सर्वेक्षण का शुभारंभ किया है। सर्वेक्षण के जरिए आमजन अपने विचार और सुझाव साझा कर सकेंगे। प्राप्त सुझावों का विश्लेषण कर उन्हें भविष्य की विकास नीतियों में शामिल किया जाएगा। सर्वेक्षण में सहभागिता के लिए आगामी 31 मार्च तक वेबसाइट एमपीआरएनए डॉट एमपी डॉट जीओव्ही डॉट इन/विजन लिंक पर जाकर अंग्रेजी या हिन्दी में अपने सुझाव प्रस्तुत कर सकते हैं।

अंतिम चयन सूची जारी

पन्ना। जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय द्वारा जिला स्तरीय चयन समिति के अनुमोदन उपरांत आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त तीन पदों पर भर्ती के लिए अंतिम चयन सूची जारी की गई है। बाल विकास परियोजना पवई अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्र पटौरी में सहायिका पद पर संध्या आदिवासी एवं आंगनबाड़ी केन्द्र नारदपुर में देवकी सिंह का अंतिम रूप से चयन हुआ है। इसी तरह अजयगढ़ परियोजना अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्र चौकनपुरवा में सुधा यादव सहायिका पद पर अंतिम रूप से चयनित हुई हैं।

जिले के सरपंचों का भाजपा से मोहभंग सामूहिक रुप से सौंपा इस्तीफा

पन्ना। सरपंच संघ ने शासन प्रशासन पर उपेक्षा के आरोप लगाते हुए सामूहिक रुप से पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। सरपंचों ने बताया कि ग्राम पंचायतो के निर्माण कार्यों में जनता के चुने हुए प्रतिनिधि पर अविश्वास करना एवं ग्राम पंचायत को लगातार मनरेगा जैसी योजनाओ में खत्म करने का प्रयास करना ग्राम पंचायतो का विकास अवरुद्ध करने की मंशा दर्शाता है। मनरेगा में मजदूरी भुगतान हेतु पूर्व मे नेशनल मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम अंतर्गत श्रमिकों की फोटो अपलोड करवाई गयी उसके बाद श्रमिकों का हेड काउंट करवाया गया अब आई ब्लिंक के आधार पर मजदूरी भुगतान होना है जो की ग्रामीण श्रमिकों को लगातार परेशान और पलायन करने का प्रयास वर्तमान सरकार द्वारा किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रो मे सप्ताहिक मजदूर को मजदूरी चाहिए लेकिन विभिन्न मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से सरकार की मंशा है कि मजदूर गाँवों को बजाय शहरों की ओर पलायन करे, ग्रामीण क्षेत्रो में मोबाइल नेटवर्क की समस्या होने के कारण भी यह समस्या लगातार बनी हुई है। पूर्व मे भी राष्ट्रीय सरपंच संघ के मध्याम् से यह बात हमने प्रदेश स्तर पर रखी थी किन्तु सरकार द्वारा कोई सुनवाइ नहीं की गयी है।

आगे बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में शत प्रतिशत आधार आज भी नहीं बने हैं ऐसे में समग्र केवाईसी करने में भी समस्या आ रही है। सरकार को लोगों के आधार बनाने के लिय ग्राम पंचायत स्तर पर व्यवस्था करनी चाहिए जिससे की समस्त ग्राम वासियो का सर्वे कर उनके आधार बनाये जा सके, उसके उपरांत उनका केवाईसी किया जा सके। पीएम आवास की राशि शहरों के समतुल्य करने के विषय में भी। सुनवाई नहीं हो रही है, आज आवास में लगने वाली सामग्री की लागत 2 लाख रूपए हो रही है, जन सुनवाई के लिये पंचायत स्तर पर जो आदेश हुआ था उसमें सरपंच की भूमिका शून्य कर दी गई। समग्र आईडी पोर्टल पर विसंगति होने से नाम काटने, जोड़ने में लगातार समस्या आ रही है जिसका निराकरण नहीं हो पा रहा है।

पीएम आवास सर्वे में सरपंच की भूमिका को शून्य मान लिया गया है। सरपंच और रोजगार सहायक वार्डवार सर्वे करने के उपरांत सरपंच को सूचित और सूची अनुसार अप्रूवल लेना चाहिए किन्तु पंचायती राज मे सरपंचो के अधिकार शून्य होने से उपरोक्त सभी समस्याओं के कारण सरपंच यह फैसला लेने को बाध्य हुए हैं। इस्तीफा एवं ज्ञापन के दौरान सरपंच संघ के जिला अध्यक्ष संजीव शुक्ला, पूर्व जिला अध्यक्ष बृजमोहन सिंह यादव सहित पन्ना जनपद, अजयगढ़ जनपद सहित सभी जनपद पंचायतों के काफी संख्या में सरपंच शामिल रहे।

दुष्कर्म के मामले का 05 हजार का इनामी फरार आरोपी हरियाणा से गिरफ्तार

पन्ना। पुलिस अधीक्षक पन्ना साई कृष्णा एस. थोटा द्वारा विभिन्न मामलो मे फरार चल रहे आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी करने हेतु निर्देशित किया गया है। इसी तारतम्य में सिमरिया थना क्षेत्र के गुमइंसान जिसमे गुमशुदा को 22 जनवरी 2025 को दस्तयाब किया गया था जिसके द्वारा बताया गया कि 9 माह पहले मेरी दोस्ती इस्ट्रागाम के माध्यम से तीरथ अहिरवार निवासी बांसा जिला दमोह से हुई थी। तभी से हम लोगो के बीच मे प्रेम प्रसंग चलने लगा जो तीरथ द्वारा मुझे अपने साथ शादी का झांसा देकर राजस्थान ले गया था जहां मेरे साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाये। कुछ दिनो बाद मुझे तीरथ के शादी शुदा होने की बात पता चली। जिसके बाद तीरथ द्वारा मुझे राजस्थान से दमोह लाकर छोड दिया गया। जिस पर थाना सिमरिया मे आरोपी विरुदध दुष्कर्म का अपराध धारा 69 बीएनएस का घटित करना पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

उक्त घटना की जानकारी थाना प्रभारी सिमरिया जे.पी. सिंह के द्वारा वरिष्ठ अधिकारियो को दी गई जिस पर पुलिस अधीक्षक महोदय श्री साई कृष्ण एस0 थोटा द्वारा मामले के फरार आरोपी तीरथ अहिरवार को गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित किया गया था साथ ही आरोपी की गिरफ्तारी हेतु 5000-रुपये के नगद ईनाम की घोषणा की गई।

एयरपोर्ट के एयर स्ट्रिप की बढ़ेगी लंबाई

सतना। मध्यप्रदेश के सतना जिले के एयरपोर्ट में निर्मित हवाई पट्टी की पुरानी 1800 मीटर की लंबाई घटकर 1200 मीटर होने के कारण बड़ा बखेड़ा हो गया है। इस मामले को लेकर सीएम डॉ मोहन यादव ने भी अपने संज्ञान में लिया था। सतना एयरपोर्ट में हवाई पट्टी की लंबाई बढ़ाने को लेकर सर्वे एंड कार्टो टीम जल्द सतना पहुंचेगी। यह टीम सर्वे की रिपोर्ट सौंपेंगी। जिसके बाद हवाई पट्टी की लंबाई बढ़ाई जाने का निर्णय लिया जाएगा।

दरअसल, साल 2023 में हुए ऑब्स्टेकल सर्वे के लिए सतना में आई हुई टीम ने ओएलएस सर्वे में 1800 मीटर की हवाई पट्टी के लिए 248 बाधाएं चिन्हित की थी, लेकिन इन बाधाओं को लेकर एयरपोर्ट ऑथरिटी के द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

जानकारों के अनुसार कार्टो टीम एयरपोर्ट की कार्टोग्राफी करेगी। इसमें हवाई अड्डे का विस्तृत नक्शा, एयर पोर्ट और रनवे का लेआउट तैयार करेगी। एएमडीबी डेटाबेस के जरिए तैयार इस लेआउट का उपयोग रनवे की योजना और निर्माण में किया जाएगा। इस दौरान यह भी पता चलेगा कि रनवे की लंबाई बढ़ाने में कितने अवरोध हैं।

रामनवमी पर चित्रकूट में मनाया जाएगा अयोध्या जैसा दीपोत्सव

सतना। रामनवमी के पावन अवसर पर मनाए जाने वाले चित्रकूट नगर गौरव दिवस की तैयारियां जोरों पर शुरू हो गई हैं। इस बार भी 11 लाख दीपक जलाने का लक्ष्य रखा गया है। नगर गौरव दिवस का आयोजन 6 अप्रैल को किया जाएगा। राज्य शासन के संस्कृति संचालनालय द्वारा चित्रकूट में प्राकट्य पर्व का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति होगी। यह आयोजन वर्ष 2022 में शुरू किया गया था और इस वर्ष इसका चौथा संस्करण है।

चित्रकूट नगर गौरव दिवस के दीपोत्सव के लिए विभिन्न समूहों से चर्चा कर लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। सीएमओ विशाल सिंह ने बताया कि दीपोत्सव के लिए कई समूहों और संगठनों को जिम्मेदारी

सौंपी गई है। सगुरु ने 1.51 लाख दीपक जलाने का संकल्प लिया है। वहीं डीआरआई, ग्रामोदय, नगर परिषद चित्रकूट, मदन गोपाल दास प्रमुख द्वार, होटल यूनियन, मिथलेश पटेल सीवर प्रोजेक्ट और व्यापार मंडल ने प्रत्येक 1.01 लाख दीपक जलाने की सहमति दी है। इसके अलावा कई अन्य लोगों ने 11 हजार से 5 हजार दीपकों का सहयोग देने की इच्छा जताई है।

दीपोत्सव को सफल बनाने के लिए लगभग 15 हजार स्वयंसेवक (वॉलेन्टियर) लगाए जाएंगे। सभी स्वयंसेवक अपने नियत स्थानों पर शाम 4 बजे तक एकत्रित हो जाएंगे और साढ़े 6 बजे तक दीपक जलाने की तैयारी पूरी कर लेंगे। 7 बजे सायरन बजते ही दीपक प्रज्जवलन का कार्य शुरू होगा और 10 मिनट के भीतर सभी दीपक एक साथ रोशन हो जाएंगे।

संस्कृति संचालनालय द्वारा रामनवमी के अवसर पर प्राकट्य पर्व का भी आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन राघव प्रयाग घाट, बिजावर मंदिर और नयागांव चित्रकूट में किया जाएगा। इस पर्व के तहत बघेली लोकगायन, शबरी नृत्य नाटिका और भक्ति गायन जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

चित्रकूट नगर गौरव दिवस की तैयारियों में स्थानीय लोगों के साथ-साथ विभिन्न संगठनों का भी उत्साह देखने को मिल रहा है। दीपोत्सव के माध्यम से चित्रकूट को एक नई रोशनी और पहचान मिलने की उम्मीद है। रामनवमी पर आयोजित होने वाला यह भव्य आयोजन आस्था और संस्कृति के अनूठे संगम का प्रतीक बनेगा।

सतना में बाइक सवार दो स्टूडेंट की नहर में डूबने से मौत, दो को बचाया

एमपी में दर्दनाक हादसे में दो स्टूडेंट की मौत हो गई। प्रदेश के सतना शहर के मेडिकल कॉलेज के बाइक सवार 4 स्टूडेंट बाइक से जा रहे थे जिनमें से दो छात्र नहर में गिर गए। मेडिकल कॉलेज के पास नहर में बैरिकेड न होने पर बाइक सवार दोनों छात्र काल के गाल में समा गए। कॉलेज के चार छात्र दो बाइकों पर थे जिनमें से एक बाइक पर सवार छात्र नहर में जा गिरे। दूसरी बाइक पर सवार दो अन्य छात्रों ने नहर में कूदकर अपने दोस्तों की जान बचाने का प्रयास किया, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। दोनों दोस्तों को भी स्थानीय लोगों ने डूबने से बचाया।

सतना मेडिकल कॉलेज के पीछे नहर में यह दर्दनाक हादसा हुआ जिसमें दो छात्रों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दो बाइकों पर सवार चार छात्र मेडिकल कॉलेज के पास से गुजर रहे थे, तभी एक बाइक अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी। अपने दोस्तों को बचाने के लिए दूसरी बाइक पर सवार दो अन्य छात्र भी नहर में कूद पड़े, लेकिन इस प्रयास में दो छात्रों अनुराग सिंह और विकास पांडेय की डूबने से मौत हो गई। वहीं, अखिल सिंह और ऋषभ सिंह को हादसे में स्थानीय लोगों ने डूबने से बचा लिया। हादसे के तुरंत बाद पुलिस और प्रशासन को सूचना दी। कोलगवां थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने शवों को नहर से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतकों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर | सीधी, सोमवार 31 मार्च 2025 | 8

विक्रम संवत 2082 का प्रथम दिन आज उल्लास पूर्वक मनाया गया। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ने विक्रम नववर्ष पर पचमठा धाम पहुंचकर आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित शिव मंदिर में पूजन-अर्चन कर भगवान आशुतोष का आशीर्वाद प्राप्त किया।

जिले भर में मनाया गया विक्रम संवत नववर्ष

पचमठा धाम में ध्वज वंदन के साथ नववर्ष के प्रथम दिवस का हुआ स्वागत

रीवा। विक्रम संवत 2082 का प्रथम दिवस जिले भर में उत्साह के साथ मनाया गया। पचमठा धाम रीवा में विक्रम नववर्ष के प्रथम दिवस पर ध्वज वंदन किया गया तथा मध्यप्रदेश नाट्यविद्यालय के दल द्वारा सम्राट विक्रमादित्य नाटिका का मंचन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रीवा सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने कहा कि यह दिन सांस्कृतिक पुनर्स्थापना का दिवस है। इस गौरवपूर्ण दिन को हम सबको पूरे श्रद्धाभाव के साथ मनाते हुए अपनी प्राचीन संस्कृति व विरासत से जुड़ना होगा। हमारी पुरातन काल की वेधशाला की गणना आधुनिक वैज्ञानिक पद्धति भी से भी आगे है। विक्रम संवत की शुरूआत 57 ई.पूर्व हुई थी। यह भारतीय इतिहास का एक महत्वपूर्ण काल गणना तंत्र बन गया। जो आज भी प्रचलित है। इसी के आधार पर हमारे धार्मिक व सामाजिक अनुष्ठान किए जाते हैं। सांसद श्री मिश्र ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश में सांस्कृतिक पुनर्जागरण के कार्य प्रारंभ हुए हैं। योग और आयुर्वेद को संपूर्ण विश्व में मान्यता मिली है।

मध्यप्रदेश में भी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में सांस्कृतिक पुनर्जागरण की ध्वजा लहरा रही है। कार्यक्रम में नाट्य दल द्वारा अनुष्ठानिक रीति से ध्वज वंदन किया गया। ब्राम्हध्वज प्रमुख मंदिरों व शासकीय भवनों में स्थापित किए जाएंगे। इस अवसर पर भारत का नववर्ष विक्रम संवत पुस्तिका का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जी के संस्कृति सलाहकार एवं निदेशक महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ श्रीराम तिवारी के विक्रम संवत शुरू होने के इतिहास से संबंधित जानकारी का वाचन किया गया। नाट्यदल के सदस्यों का इस अवसर पर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में नगर निगम आयुक्त डॉ सौरभ सोनवड़े, पार्षद मुन्ना खान, पूर्व पार्षद सतीश सिंह, नाट्यदल के निदेशक विपुल सिंह, तहसीलदार शिवशंकर शुक्ला, संयुक्त संचालक शिक्षा केपी तिवारी, डीईओ सुदामालाल गुप्ता, प्राचार्य वरूणेन्द्र प्रताप सिंह, अरूण मिश्रा, सहायक संचालक राजेश मिश्रा सहित नगर निगम के अधिकारी व कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में संभ्रांतजन व नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय ने किया।

उप मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दी ईद-उल-फितर की शुभकामनाएं

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रदेशवासियों को ईद-उल-फितर की शुभकामनाएं दी हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि ईद का पर्व त्याग, सेवा और भाईचारे का प्रतीक है। यह त्योहार हमें समाज में एकता और सौहार्द्र को मजबूत करने की प्रेरणा देता है। उपवास और इबादत के इस पवित्र महीने के बाद ईद का त्योहार सभी के जीवन में खुशहाली और समृद्धि लाए, ऐसी कामना है।

प्रधानमंत्री की मन की बात का उप मुख्यमंत्री ने श्रवण किया

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात का रीवा से जबलपुर मार्ग में यात्रा के दौरान का श्रवण किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का मार्गदर्शन सदैव प्रेरणादायी रहता है।

जल गंगा संवर्धन अभियान का जिले में हुआ शुभारंभ

जनप्रतिनिधियों व आमजनों ने मिलकर किया जल संरक्षण के कार्यों में श्रमदान

रीवा

शासन के निर्देशानुसार जिले में भी 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जाएगा। इस अभियान का आज जिले के विभिन्न स्थानों में शुभारंभ हुआ। जल संरक्षण के कार्यों में जनप्रतिनिधियों व आमजनों ने मिलकर अपनी सहभागिता निभाई। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में समारोहपूर्वक जल संरक्षण के कार्यों का शुभारंभ हुआ।

गंगेव जनपद अंतर्गत तिवनी में आयोजित जल संरक्षण के कार्य में विधायक मनगवां इंजी. नरेन्द्र प्रजापति ने ग्रामीणजनों के साथ श्रमदान किया। इसी प्रकार रामसगरा तालाब गंगेव में भी जल संरक्षण के लिए कार्य की शुरूआत की गई। रायपुर कर्चुलियान के तालाब के समीप जल संरक्षण कार्य एवं सिरमौर के शाहपुर ग्राम पंचायत में रताई तालाब में तथा त्योंथर के दुआरी तालाब में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण के कार्य प्रारंभ हुए। गुढ़ तहसील के अंतर्गत हर्दी नम्बर एक गांव में जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने जल संवर्धन कार्यों में अपनी सहभागिता निभाई। मऊगंज जिले में भी जल संवर्धन के कार्य हुए आरंभ - जल गंगा अभियान के तहत मऊगंज जिले के सलैया रूस्तम ग्राम पंचायत में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक देवतालाब श्री गिरीश गौतम ने जल संरक्षण कार्यों का शुभारंभ किया। इसी प्रकार ग्राम पंचायत छुहिया, डिहिया पड़ान के बेला तालाब तथा फूलकरण सिंह में भी जल संरक्षण के कार्य प्रारंभ किए गए। जनपद हनुमना अंतर्गत बेलौही कला में विधायक मऊगंज श्री प्रदीप पटेल ने नवीन तालाब निर्माण का भूमिपूजन किया।

पुस्तक मेले में तय दर पर मिलेंगी किताबें और गणवेश

रीवा। नया शिक्षा सत्र एक अप्रैल से आरंभ हो रहा है। जिले में संचालित सभी स्कूलों के विद्यार्थियों को निर्धारित दर पर किताबें और गणवेश उपलब्ध कराने के लिए पुस्तक मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी सुदामालाल गुप्ता ने बताया कि पूर्व में पुस्तक मेला शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मार्तण्ड क्रमांक तीन परिसर में दो एवं तीन अप्रैल को आयोजित होना था। गर्मी एवं छात्रों व अभिभावकों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए अब पुस्तक मेला चार व पाँच अप्रैल को मानस भवन में आयोजित होगा। इसमें जिले के सभी पुस्तक, स्टेशनरी और गणवेश विक्रेता शामिल होंगे। सभी दुकानदारों को पंजीयन कराने के बाद दुकान लगाने की सुविधा दी जाएगी।

पंजीकृत दुकानों से निर्धारित दर पर विद्यार्थियों को किताबें तथा अन्य स्टेशनरी प्राप्त होगी। इन दुकानों से निर्धारित दरों पर ही गणवेश भी प्राप्त होंगे। पुस्तक मेले में सभी मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों की किताबें और गणवेश उपलब्ध रहेंगी।

मेडिसिन अपडेट जैसे सेमिनार सुरक्षित स्वस्थ भविष्य के लिए आवश्यक : उप मुख्यमंत्री

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि हेल्थ केयर क्षेत्र में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्राथमिकता से निरंतर प्रगति हो रही है। मेडिसिन अपडेट जैसे सेमिनार नए निष्कर्ष निकालने में सहायक होते हैं, जिससे नई पीढ़ी को भी लाभ मिलता है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल, एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया के जबलपुर चेप्टर द्वारा होटल विजन महल में 26वें मेडिसिन अपडेट 2025 कार्यक्रम में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ाई जा रही है। मेडिकल कॉलेज में प्रदेश में एमबीबीएस की 10 हज़ार और पीजी में 5 हज़ार सीट की वृद्धि की जाएगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। प्रदेश में 10 हजार करोड़ का निवेश हेल्थ केयर में किया गया है और डॉक्टरों के लिए बेहतर प्रोजेक्ट तैयार किए जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि डॉक्टरों की क्वालिटी और मानक, मानवता के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। समय के साथ उन्हें अपडेट रहना चाहिए और ऐसे सेमिनार से नई जानकारी प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों को सेवा भाव से कार्य कर समाज में उत्कृष्ट योगदान देना चाहिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान से पांचवें स्थान पर आ गई है और 2047 तक अमेरिका और चीन को भी पीछे छोड़कर भारत शीर्ष पर पहुँचेगा। स्वास्थ्य क्षेत्र में भारत की अग्रणी भूमिका होगी। उन्होंने सेमिनार में आए निष्कर्षों को सरकार तक पहुंचाने की बात कही। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने उत्कृष्ट योगदान देने वाले चिकित्सकों को सम्मानित किया गया। पूर्व मंत्री और विधायक श्री अजय बिश्नोई ने कहा कि मेडिसिन अपडेट समय की मांग है। एलोपैथी में नई खोजों से पीड़ित मानवता की सेवा होती है। उन्होंने आयुष के क्षेत्र में हो रहे शोध कार्यों की भी सराहना की। इस दौरान एआईपी के प्रेसिडेंट डॉ. नवीन शर्मा, सचिव डॉ. अभिषेक तिवारी, सीएमएचओ डॉ. संजय मिश्रा और अन्य प्रतिष्ठित चिकित्सक मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर हुआ।

26वें मेडिसिन अपडेट 2025 कार्यक्रम में हुए शामिल

ई आफिस के लिए ईमेल आईडी आज अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं : कलेक्टर

रीवा। प्रशासनिक कार्यों तथा फाइलों के निराकरण के लिए ई आफिस प्रणाली लागू की जा रही है। इसके माध्यम से फाइलें ऑनलाइन एक विभाग से दूसरे विभाग तथा एक अधिकारी से दूसरे अधिकारी के पास जाएंगी। डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से इनका निराकरण होगा। इसके लिए फाइलों पर टीप अंकित करने वाले अधिकारियों और कार्यालय सहायकों की ईमेल आइडी तैयार की जा रही है। ईमेल आईडी पर ही फाइलें प्राप्त होंगी। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने सभी अधिकारियों को 31 मार्च तक ई आफिस व्यवस्था के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की ई मेल आईडी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि अधिकारी जिला सूचना विज्ञान अधिकारी से संपर्क करके अपने कार्यालय को ई आफिस में ऑनबोर्ड कराने के लिए एम्पलाई मास्टर डाटा (ईएमडी) फाइल की एक्सल शीट जिला सूचना विज्ञान अधिकारी को उपलब्ध कराएं। इसे मोबाइल नम्बर 8010903546 अथवा ई मेल एमपी आरईडब्ल्यू एट द रेट एनआईसी डॉट इन पर भी उपलब्ध कराया जा सकता है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस स्नातकोत्तर भौतिकी के छात्रों ने किया जेपी सुपर थर्मल पावर प्लांट निगरी का दौरा

रीवा। रीवा स्थित प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय, रीवा के भौतिक शास्त्र विभाग में अध्ययनरत स्नातकोत्तर भौतिकी के छात्रों और विभागीय कर्मचारियों का एक समूह जेपी सुपर थर्मल पावर प्लांट, निगरी, सिंगरौली (मध्य प्रदेश) के लिए प्रस्थान किया। इस शैक्षिक यात्रा कोभौतिकशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ जयरामदास प्रजापति के नेतृत्व मे महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्यडॉ. डी.पी. शुक्ला, वनस्पति शास्त्र विभाग केप्रो. संतोष अग्निहोत्री, रीवा के वरिष्ठ समाजसेवी एवं महाविद्यालय के पुरा- छात्रश्री माथुरा प्रसाद गुप्ता, क्रीडाधिकारी डॉ राजेश भारती और भौतिक शास्त्र विभाग के प्रमुखडॉ. यश कुमार सिंहने हरी झंडी देकर रवाना किया इस यात्रा में छात्रों ने जेपी सुपर थर्मल पावर प्लांट में विद्युत उत्पादन और ट्रांसमिशन के प्रबंधन और तरीकों पर गहरी जानकारी प्राप्त की। पावर प्लांट के जनरल मैनेजर यतेंद्र खरे, प्लांट मैनेजर इंद्रमणि शुक्ला, इंजीनियर धीरेंद्र पांडेऔर अन्य कर्मचारियों ने छात्रों को प्लांट के विभिन्न तकनीकी पहलुओं के बारे में समझाया। उन्होंने बताया कि पावर प्लांट कैसे काम करता है, आवश्यक कच्चा मटेरियल जैसे कोयला और पानी कहां से आता है, उसका उपयोग कैसे किया जाता है, उपयोग के पश्चात गरम पानी को ठंडा कैसे किया जाता है और ट्रीटमेंट करने के पश्चात फिर उसी पानी का उपयोग प्लांट मे वापस कर लिया जाता है प्लांटवेस्टेज को कैसे नियंत्रित किया जाता है, और पावर प्लांट से पर्यावरण को कम से कम नुकसान पहुंचाते हुए विद्युत उत्पादन कैसे किया जाता है।यात्रा के दौरान छात्रों को थर्मल पावर प्लांट के विभिन्न यूनिट्स जैसे कि कोल मिल्स, बॉयलर, टरबाइन और पावर जेनरेशन यूनिट्स का गहन अवलोकन करने का अवसर मिला।

विक्रम नववर्ष पर उप मुख्यमंत्री ने पचमठा धाम में पूजा-अर्चना की

सूर्य उपासना कार्यक्रम में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

रीवा। विक्रम संवत 2082 का प्रथम दिन आज उल्लास पूर्वक मनाया गया। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने विक्रम नववर्ष पर पचमठा धाम पहुंचकर आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित शिव मंदिर में पूजन-अर्चन कर भगवान आशुतोष का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर श्री शुक्ल सूर्य उपासना कार्यक्रम में भी शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि धर्म व अध्यात्म हमारी सबसे बड़ी ताकत है। माँ भगवती की आराधना के नौ दिन हमें सही दिशा में काम करने की ताकत देते हैं। माँ की कृपा सभी पर रहे और हम सब जन कल्याण के लिए तत्पर रहें। उन्होंने राम दरबार को माँ बीहर के तट पर विभिन्न धार्मिक आयोजनों के लिए साधुवाद दिया। उन्होंने कहा कि राम दरबार के सदस्य नई चेतना के उदय का कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर डॉ प्रभाकर चतुर्वेदी सहित राम दरबार के सदस्य उपस्थित रहे।

समर्थन मूल्य पर गेंहू खरीदी के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि आज

रीवा

किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य देने के लिए शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर खरीद की जाती है। शासन द्वारा वर्तमान वर्ष के लिए गेंहू का समर्थन मूल्य 2425 रूपये तथा सरकार द्वारा घोषित 175 रुपए प्रति क्विंटल बोनस के साथ किसानों से 2600 रुपए प्रति क्विंटल की दर से गेंहू का उपार्जन होगा। समर्थन मूल्य पर गेंहू खरीदी के लिए किसानों के पंजीयन की अंतिम तिथि 31 मार्च निर्धारित की गई है। किसान एमपी किसान एप, ई-उपार्जन पोर्टल तथा ई-उपार्जन मोबाइल एप पर अपना पंजीयन करा सकते हैं।

इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि रीवा जिले में गेंहू उपार्जन के लिए खरीदी केन्द्र निर्धारित कर दिए गए हैं। किसान इन खरीदी केन्द्रों में गेंहू उपार्जन के लिए पंजीयन करा सकते हैं। सभी किसान निर्धारित खरीदी केन्द्रों में अपना आनलाइन पंजीयन अवश्य करायें। पंजीकृत किसानों से ही समर्थन मूल्य पर गेंहू की खरीद की जायेगी। स्वयं के मोबाइल, कम्प्यूटर, खरीदी केन्द्र तथा ग्राम पंचायत कार्यालय में स्थापित सुविधा केन्द्र में पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था की गई है। किसान 50 रुपए का शुल्क देकर एमपी ऑनलाइन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केन्द्र तथा साइबर कैफे में पंजीयन करा सकते हैं। कलेक्टर ने बताया कि पंजीयन के समय किसान आधार संख्या से लिंक बैंक खाते दर्ज करें जिससे ऑनलाइन भुगतान किया जा सके। पंजीयन कराने के लिए किसान को बोये गये खेत के खसरा नंबर की ऋण पुस्तिका, आधार से लिंक बैंक खाते की जानकारी देकर अपना पंजीयन करा सकते हैं। बटाईदार एवं सिकमी किसानों के लिए भी ऑनलाइन पंजीयन की व्यवस्था की गयी है। केवल पंजीकृत किसानों को ही गेंहू उपार्जन का लाभ दिया जायेगा।

अप्रवेशी बच्चों का घर-घर जाकर सर्वेक्षण करें : कलेक्टर

मऊगंज जिले में भी एक अप्रैल से आरंभ होगा नया शिक्षा सत्र

रीवा। मऊगंज जिले में आगामी एक अप्रैल से स्कूल शिक्षा विभाग का वर्ष 2025-26 का नया शिक्षा सत्र आरंभ हो रहा है। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने शासकीय स्कूलों में नवीन शिक्षा सत्र के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए आदेश जारी किए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला समन्वयक शिक्षा मिशन को नवीन शिक्षा सत्र के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। शाला जाने योग्य प्रत्येक बच्चे का शाला में अनिवार्य रूप से प्रवेश कराएं। अब तक कक्षा दो से लेकर कक्षा 11 तक जो विद्यार्थी दर्ज हैं उनका पूरा विवरण समग्र शिक्षा पोर्टल पर 31 मार्च तक अनिवार्य रूप से अपडेट कराएं। विकासखण्ड स्तर पर विद्यार्थियों एवं पालकों के साथ बैठक आयोजित करके एक अप्रैल से नवीन शिक्षा सत्र शुरू होने की जानकारी दें। स्थानीय संचार माध्यमों से भी इसका व्यापक प्रचार-प्रसार कराएं। शाला जाने योग्य प्रत्येक बच्चे का शाला में प्रवेश सुनिश्चित करने के लिए स्वयंसेवी संस्थाओं तथा आमजनता का भी पूरा सहयोग लें। मऊगंज जिले में स्कूल चलें हम अभियान अंतर्गत प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के लिए जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र रीवा को प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। मऊगंज का जिला स्तरीय कार्यक्रम एक अप्रैल को शासकीय उमावि कन्या मऊगंज में आयोजित होगा।

कलेक्टर ने कहा है कि शाला प्रबंधन समिति एवं पालकों की बैठक आयोजित करें। विद्यार्थी के अभिभावक से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार तथा विद्यार्थियों की शैक्षणिक स्थिति के संबंध में उपयोगी सुझाव प्राप्त करें। अभिभावकों को विद्यार्थी की शैक्षणिक प्रगति से भी अवगत कराएं। सभी शालाओं में एक अप्रैल को समारोह पूर्वक प्रवेश उत्सव का आयोजन करें। इस दिन विद्यार्थियों का परंपरागत तरीके से स्वागत करने के साथ प्राथमिक और माध्यमिक शालाओं में विशेष मध्यान्ह भोजन का भी आयोजन करें। प्राथमिक शाला के शिक्षक आंगनवाड़ी केन्द्र जाकर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से कक्षा एक में प्रवेश योग्य बच्चों की सूची प्राप्त करें। उनके अभिभावकों से संपर्क करके बच्चों का शाला में प्रवेश सुनिश्चित करें। बच्चे के कक्षा एक में प्रवेश के लिए आयु संबंधी प्रमाणीकरण के लिए जन्म प्रमाण पत्र, एएनएम के रजिस्टर तथा आंगनवाड़ी केन्द्र के रजिस्टर को भी आधार बनाएं। कक्षा एक से कक्षा 11वीं तक दर्ज विद्यार्थियों की सूची संबंधित शाला में उपलब्ध है। इसमें शामिल विद्यार्थियों को आगामी कक्षा में प्रवेश दिलाएं। कलेक्टर ने कहा है कि सभी शाला भवनों में साफ-सफाई कराकर विद्यार्थियों के बैठने की समुचित व्यवस्था करें। शासन के प्रावधानों के अनुसार बालिका छात्रावासों में कक्षा आठवीं की बालिकाओं को प्रवेश दिलाएं।

जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित छात्रावासों में भी विद्यार्थियों का समय पर प्रवेश सुनिश्चित करें। भारत सरकार द्वारा यू डाइस के माध्यम से शाला जाने योग्य प्रत्येक बच्चे की ट्रैकिंग की जा रही है। यू डाइस के तहत दर्ज सभी विद्यार्थियों को यूनिक कोड आवंटित किया गया है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों के शाला में प्रवेश का सत्यापन करें। यदि यूनिक कोड प्राप्त विद्यार्थी किसी भी शाला में मैप नहीं है तो वह ड्राप बाक्स में चला जाएगा।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी, आर.एन.आई नं. 47589/88, डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833